मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | जबलपुर, शनिवार 07 नवंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-37, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

पटियाला में रोकी अमृतसर-बंगाल कर्मभूमि एक्सप्रेस, 8 ट्रेनें डायवर्ट

पंजाब में यात्रियों से भरी चलती ट्रेन में लगी आग चार डिब्बे जले, सवारियों ने लगाई छलांग





एजेन्सी, नई दिल्ली

पंजाब में शुक्रवार दोपहर चलती कर्मभूमि एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। आग इंजन के साथ लगे जनरल डिब्बे में भड़की और देखते ही देखते ट्रेन के 4 जनरल कोच इसकी चपेट में आ गए। आग की चपेट में आए डिब्बों में यात्री सवार थे। इससे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। ट्रेन रुकते ही यात्री जान बचाने के लिए नीचे उतरकर खेतों की ओर भागने लगे। इस दौरान कई यात्रियों ने ट्रेन से छलांग भी लगा दी।

घटना फतेहगढ़ साहिब के साधूगढ़ और पटियाला के सराय बंजारा रेलवे स्टेशन के बीच हुई। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, दमकल विभाग और राहत टीमों को अलर्ट किया गया। रेलवे के अनुसार, ट्रेन नंबर 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस अमृतसर से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जा रही थी। हादसा दोपहर करीब सवा 1 बजे हुआ। सरकारी रेलवे पुलिस ने बताया कि कोच के पंखे में शॉर्ट सर्किट होने के कारण यह घटना हुई। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। ट्रेन में लगभग 1,500 यात्री सवार थे

रेलवे ने यात्रियों के लिए 2 स्पेशल ट्रेनें चलाई

अंबाला मंडल के सीनियर डीसीएम यशनजीत सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी। हादसे के बाद यात्रियों से करीब 500 मीटर दूर स्थित नजदीकी स्टेशन पहुंचने को कहा गया। यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए सराय बंजारा स्टेशन से न्यू जलपाईगुड़ी के लिए 2 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। ट्रैक से जली हुई ट्रेन को हटाने के बाद यातायात बहाल कर दिया गया।

कोई हताहत नहीं: सीनियर डीसीएम

उन्होंने बताया कि आग से तीन कोच पूरी तरह प्रभावित हुए, जबकि चौथा कोच भी आंशिक रूप से चपेट में आया। ये ट्रेन अनरिजर्व्ड थी, जिसमें 22 कोच थे। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं, उत्तरी रेलवे के उढफ्ड हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि सराय बंजारा स्टेशन के पास ट्रेन का सेफ्टी सिस्टम सक्रिय होने के बाद ट्रेन रुक गई।

सुख-समृद्धि के पर्व धनतेरस की शुभकामनाएं दीं

हम गरीब के जीवन में सुख का सवेरा लाएं, ईश्वर से यही कामना है: मुख्यमंत्री



एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपोत्सव के शुभारंभ और सुख समृद्धि की मंगल कामना के पावन पर्व धनतेरस पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मंदिर में पूजन अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन स्थित महर्षि सांदीपनि आश्रम के प्राचीन कुंडेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान भगवान कुबेर से सभी के जीवन में वैभव और आरोग्यता बनाए रखने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सब परमात्मा की कृपा और अपने सामर्थ्य व समृद्धि से गरीब से गरीब आदमी के जीवन में सुख का सवेरा लाएं, सभी के काम आएं और जियो और जीने दो के भाव को बढ़ाएं, ईश्वर से यही कामना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया के माध्यम से प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि भगवान धन्वंतरि जी की पूजा होती है और आज से ही दीपावली का पर्व प्रारंभ होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और हमारा प्रदेश भी श्री मोदी के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। हमारा राज्य निवेश के मामले में पूरे देश में सबसे तेज गति से आगे चल रहा है। वर्तमान में मध्यप्रदेश देश में नंबर वन की स्थिति में है।

ईरान के तेल कारोबार में मदद का आरोप

चुनाव हारते ही भारत पर टूट पड़ी ट्रंप सरकार, 9 कंपनियों पर प्रतिबंध



एजेन्सी, वाशिंगटन

मिडटर्म चुनाव में करारी हार के बीच अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर फिर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अमरीका ने एक भारतीय कारोबारी, उसकी पत्नी संग चार भारतीयों और उनसे जड़ीं नौ कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर ईरान के तेल कारोबार पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने में मदद करने के आरोप हैं।

अमरीकी वित्त मंत्रालय के मुताबिक, यह पूरा नेटवर्क समुद्री धोखाधड़ी के जरिए ईरान को प्रतिबंधित तेल का कारोबार जारी रखने में मदद कर रहा था। अमरीकी वित्त मंत्रालय ने चंडीगढ़ के कारोबारी सुनील कुमार शर्मा और उनकी पत्नी जसप्रीत प्रीति शाहिद को इस नेटवर्क का कथित संचालक बताया है। प्रतिबंधों की सूची में दंपति के अलावा अश्वनी कुमार धीमान और इशविंदर सिंह के नाम शामिल हैं। इनके अलावा भारत में पंजीकृत आठ और सिंगापुर में पंजीकृत एक कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इन लोगों पर ईरान के गुप्त तेल जहाजों को दूसरे देशों के झंडे और फर्जी कागजात दिलाने का आरोप है। सुनील और उनकी पत्नी चंडीगढ़ से इस नेटवर्क को ऑपरेट कर रहे थे।

परिवार के साथ पीएम मोदी से मिले क्रिकेटर सूर्यकुमार

प्रधानमंत्री बोले- दीपावली के माहौल में सरयू और राम आए

एजेन्सी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। शुक्रवार को वे पत्नी देविशा, बेटी रिद्धिमा और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ दिल्ली पहुंचे।

इस मुलाकात में सूर्या ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत का गोल्ड मेडल पहना हुआ था। प्रधानमंत्री ने मेडल को हाथ में लेकर भी देखा। मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए।

प्रधानमंत्री ने सूर्या के परिवार की एक बच्ची से भजन सुना। इसके बाद उन्होंने पोस्ट में लिखा, दीपावली के माहौल में राम और सरयू का आगमन हुआ है। इससे दीपावली का वातावरण और भी पावन एवं दिव्य हो गया है। राम और सरयू सूर्यकुमार की साली दीक्षा के बच्चे हैं।



भारत को लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप जिताया

सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने मार्च 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। इस जीत के साथ भारत लगातार दो बार यह ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बना। इससे पहले उन्होंने 2025 में हुए टी-20 एशिया कप में भी भारतीय टीम को चैंपियन बनाया था। सूर्यकुमार ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में भी भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के आखिरी ओवर में उन्होंने लॉन्ग-ऑफ पर डेविड मिलर का कैच पकड़ा था। मिलर का विकेट भारत के लिए बेहद अहम था, क्योंकि साउथ अफ्रीका को आखिरी ओवर में जीत के लिए 16 रन चाहिए थे।

असम सीएम हिमंत सरमा के परिवार को जान का खतरा

एजेन्सी, नई दिल्ली



असम में गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले ने अब नया राजनीतिक और कानूनी मोड़ ले लिया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शुक्रवार को कहा कि अगर मामले के दो मुख्य आरोपियों को जमानत मिलती है तो उनके आवास का घेराव करने की धमकी दी गई है। उन्होंने इसे अपने परिवार की सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले को सुप्रीम कोर्ट और गुवाहाटी हाईकोर्ट के सामने उठाएगी। उन्होंने कानूनी विभाग को इस धमकी की जानकारी अदालतों तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। सरमा के मुताबिक, मुख्यमंत्री कार्यालय के बजाय उनके निजी आवास को घेरने की बात कही गई है, जो उनके परिवार के लिए गंभीर खतरा है।

मुख्यमंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अदालतें अपना काम कर रही हैं और राज्य सरकार न्यायिक आदेशों का सम्मान करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक विधायक के नेतृत्व वाले समूह की ओर से दी गई धमकी से राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश हो रही है। यह धमकी जुबीन गर्ग न्याय समिति की ओर से दी गई है। समिति का नेतृत्व रायजोर दल के विधायक अखिल गोगोई कर रहे हैं। समिति ने गुरुवार को कहा था कि यदि श्यामकानु महंत और सिद्धार्थ शर्मा को जमानत मिलती है या राज्य सरकार उनकी जमानत का प्रभावी विरोध नहीं करती तो मुख्यमंत्री के आवास का घेराव किया जाएगा।

एसआईआर में छूटे मतदाताओं को एक और मौका, 8 दिन में दूसरा बड़ा फैसला

दिल्ली, महाराष्ट्र समेत 7 राज्यों के वोटर फिर नाम जुड़वा सकेंगे

एजेन्सी, नई दिल्ली

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिन मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हो पाए हैं, उन्हें चुनाव आयोग ने एक और मौका देने का फैसला किया है। यह राहत उन लोगों को मिलेगी, जिन्हें गणना फॉर्म जारी किए गए थे, लेकिन अनुपस्थित, दूसरी जगह शिफ्ट होने, मृत या डुप्लीकेट दर्ज किए जाने के कारण उनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में नहीं आ सके। आयोग ने ऐसे मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए नई व्यवस्था तय की है।

चुनाव आयोग ने 6 नवंबर 2026 को इस संबंध में दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नगालैंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए। आयोग ने कहा है कि ऐसे सभी मतदाताओं को अपना नाम जुड़वाने के लिए एक और अवसर दिया जाए। इसके लिए बूथवार सूची तैयार होगी और संबंधित मतदान केंद्रों के साथ पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों और ब्लॉक विकास अधिकारियों के कार्यालयों में भी प्रदर्शित की जाएगी। इन सूचियों को आयोग की वेबसाइट पर भी पीडीएफ के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। नाम शामिल नहीं होने की संभावित वजह भी बताई जाएगी।

जमा किए गए फॉर्म पर चुनाव आयोग ने क्या निर्देश दिए?

आयोग ने कहा है कि मिले हुए सभी फॉर्म और उनके साथ दिए गए घोषणापत्रों की जांच नियमों के अनुसार की जाए। पंजीकरण अधिकारी पात्रता, सामान्य निवास और जरूरी दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे। जिन फॉर्म को स्वीकार किया जाएगा, उन्हें अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए अलग रखा जाएगा। इस प्रक्रिया में मतदाता का वही पुराना ईपीआईसी नंबर बना रहेगा। जिन लोगों ने एसआईआर के दौरान नए



नामांकन के लिए पहले ही फॉर्म-6 जमा किया है, उन्हें दोबारा गणना फॉर्म भरने की जरूरत नहीं होगी। उनके आवेदन पर आयोग के 3 नवंबर 2026 के निदेर्शों के अनुसार कार्रवाई होगी। आयोग ने सभी अधिकारियों को इन निदेर्शों का तुरंत पालन कराने, व्यापक प्रचार करने और यह सुनिश्चित करने को कहा है कि कोई पात्र मतदाता अपना नाम जुड़वाने के अवसर से वंचित न रहे।

अगर मतदाता का पता नहीं बदला है तो क्या करना होगा?

आयोग ने उन मतदाताओं के लिए अलग प्रक्रिया तय की है, जो अपने पुराने पते पर ही रह रहे हैं। ऐसे लोगों को भरा हुआ और हस्ताक्षर किया गया गणना फॉर्म जमा करना होगा। इसके साथ उन्हें यह बताना होगा कि पहले फॉर्म क्यों जमा नहीं हो पाया था। इसके लिए आयोग ने अनुलग्नक-बी का प्रारूप दिया है। मतदाता इसे संबंधित ईआरओ, सहायक ईआरओ या बीएलओ को खुद या परिवार के किसी सदस्य के जरिये सौंप सकते हैं। इसे एउक्एल पर ई-साइन के साथ जमा करने की सुविधा भी होगी।

मतदाताओं को दोबारा फॉर्म भरने का मौका कैसे मिलेगा?

जिन मतदाताओं के नाम एसडीडी श्रेणी में दर्ज हैं, उन्हें गणना फॉर्म दोबारा जमा करने का अवसर मिलेगा। जिन लोगों के फॉर्म अधूरे हैं, उनके लिए भी नई व्यवस्था की गई है। संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी के डैशबोर्ड पर ऐसे फॉर्म दोबारा तैयार किए जाएंगे। बूथ लेवल अधिकारी मतदाताओं तक फॉर्म पहुंचाने के लिए घर-घर जाएंगे और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों की भी मदद लेंगे। जहां संपर्क की जानकारी उपलब्ध होगी, वहां व्हाट्सऐप, ईमेल और एसएमएस के जरिये भी फॉर्म भेजे जा सकेंगे। मतदाता अपने पुराने ईपीआईसी नंबर से वेबसाइट पर फॉर्म डाउनलोड करके भर सकते हैं।

अगर मतदाता राज्य के भीतर दूसरी जगह चला गया है तो क्या होगा?

राज्य के भीतर पता बदलने वाले मतदाता को अनुलग्नक-सी में नया पता और विधानसभा क्षेत्र बताना होगा। फॉर्म और घोषणा पर मतदाता या परिवार के सदस्य के हस्ताक्षर जरूरी होंगे। नया पता साबित करने के लिए दस्तावेज देने होंगे। ऐसे मतदाता को फॉर्म-8 भरने की जरूरत नहीं होगी। बेघर मतदाताओं के मामले में बीएलओ की फील्ड जांच रिपोर्ट को पते के प्रमाण के तौर पर स्वीकार किया जाएगा।

मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से, पांच दिन में सरकार पेश करेगी दूसरा अनुपूरक बजट और कई अहम विधेयक

7 से 11 दिसंबर तक चलेगा पांच दिवसीय सत्र, दूसरे अनुपूरक बजट की तैयारियां तेज

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्यप्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू होकर 11 दिसंबर तक चलेगा। पांच दिवसीय इस सत्र में लगातार सदन की कार्यवाही होगी और किसी भी दिन अवकाश नहीं रखा गया है। सत्र की अवधि भले ही छोटी रखी गई है, लेकिन राजनीतिक और विधायी दृष्टि से इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरान राज्य सरकार दूसरा अनुपूरक बजट पेश करने के साथ कई महत्वपूर्ण विधेयकों को विधानसभा में प्रस्तुत कर पारित कराने की तैयारी में है। वित्त विभाग ने अनुपूरक बजट तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है, वहीं विभिन्न विभागों में विधेयकों को अंतिम रूप देने का काम भी चल रहा है। सोलहवीं विधानसभा के 12वें सत्र को लेकर विधानसभा सचिवालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। राज्यपाल मंगुभाई पटेल की ओर से विधानसभा का सत्र बुलाए जाने की अनुमति मिलने के बाद सचिवालय ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही पांच दिवसीय सत्र का कार्यक्रम तय हो गया है।

सरकार की ओर से सदन में रखे जाने वाले वित्तीय और विधायी प्रस्तावों को लेकर मंत्रालय स्तर पर भी तैयारियां की जा रही हैं। शीतकालीन सत्र में राज्य सरकार का दूसरा अनुपूरक बजट सबसे महत्वपूर्ण विषयों में शामिल रहेगा। वित्त विभाग इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। बजट में विभिन्न विभागों की अतिरिक्त वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रावधान किए जाएंगे। वित्तीय वर्ष के दौरान स्वीकृत बजट के अतिरिक्त जिन



योजनाओं और विकास कार्यों के लिए धनराशि की आवश्यकता होगी, उन्हें अनुपूरक बजट के माध्यम से पूरा करने की व्यवस्था की जाएगी। सरकार विधानसभा में अनुपूरक बजट प्रस्तुत कर उस पर चर्चा कराने के बाद पारित कराने की तैयारी कर रही है। इसमें किन विभागों और योजनाओं को अतिरिक्त राशि मिलेगी, इसका खुलासा बजट के सदन में प्रस्तुत होने के बाद ही होगा। अनुपूरक बजट की तैयारियां ऐसे समय हो रही हैं, जब राज्य सरकार के सामने विकास योजनाओं, निर्माण कार्यों और विभिन्न विभागों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने की चुनौती है। ऐसे में इस बजट को लेकर विधायकों और राजनीतिक हलकों की नजरें रहेंगी। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू होगा और 11 दिसंबर तक चलेगा। पूरे पांच दिनों में कोई अवकाश नहीं रखा गया है। पहले चार दिनों में प्रश्नोत्तर और शासकीय कार्य होंगे। इस दौरान विधायक अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे और विभागीय कामकाज से संबंधित सवाल उठा सकेंगे। वहीं शुक्रवार 11 दिसंबर को प्रश्नोत्तर काल के बाद दोपहर 1:30 बजे तक शासकीय कार्य किए जाएंगे। इसके बाद सदन में अशासकीय कार्यों के लिए समय निर्धारित किया गया है। सत्र के दौरान प्रश्नकाल महत्वपूर्ण रहेगा। विधायक अपने क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े सवाल उठा सकते हैं। संबंधित विभागों को इन सवालों के जवाब देने होंगे।

शीतकालीन सत्र में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की ओर से पंचायत राज संशोधन विधेयक पेश किए जाने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में विभागीय स्तर पर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। विधेयक के माध्यम से पंचायत राज व्यवस्था से जुड़े कुछ कानूनी प्रावधानों में संशोधन किए जाने की संभावना है। पंचायत व्यवस्था प्रदेश के ग्रामीण प्रशासन और विकास कार्यों की महत्वपूर्ण कड़ी है। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जाता है। ऐसे में पंचायत राज कानून में प्रस्तावित बदलाव महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

सात माह में सौर ऊर्जा से हुआ लगभग 21 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन

भोपाल मंडल में 90 स्थानों पर स्थापित हैं 2.9 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा आत्मनिर्भरता एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में भारतीय रेल निरंतर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रही है। इसी क्रम में रेल मंत्रालय को 'पीएम सूर्य घर एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 05 नवंबर 2026 को आयोजित 'रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026' में उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने रेल मंत्रालय को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' के अंतर्गत केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा सर्वाधिक भवनों को सौर ऊर्जा से सुसज्जित करने की श्रेणी में रेल मंत्रालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। देशभर में रेलवे के 15,868 उपयुक्त भवनों की पहचान की गई है, जिनमें से अब तक 12,495 भवनों पर



रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। इस प्रकार कुल चिन्हित भवनों के लगभग 79 प्रतिशत हिस्से को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा चुका है। रेल मंत्रालय द्वारा अब तक 351 मेगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता स्थापित की गई है, जबकि निर्धारित लक्ष्य 424 मेगावाट है। भोपाल मंडल में सौर ऊर्जा से ऊर्जा संरक्षण एवं राजस्व की बचत भोपाल मंडल में डीआरएम श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिठ मंडल विधुत इंजीनियर (सामान्य) श्री संजय मनोरिया के नेतृत्व में इस राष्ट्रीय पहल के अनुरूप पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल का विद्युत सामान्य विभाग भी नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करने एवं ऊर्जा संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। मंडल में [illegible] मोड के अंतर्गत 90 स्थानों पर लगभग 2.9 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट स्थापित किए गए हैं। इन सोलर प्लांटों से चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर 2026 तक लगभग 21 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन किया गया है। इसके परिणामस्वरूप रेलवे को लगभग 105 लाख रुपये की अनुमानित बचत हुई है। इसके अतिरिक्त भोपाल मंडल में लगभग 1 मेगावाट क्षमता के नए सोलर प्लांट स्थापित करने का कार्य भी प्रगति पर है। सौर ऊर्जा के उपयोग से परंपरागत विद्युत स्रोतों पर निर्भरता कम करने, ऊर्जा व्यय में बचत करने तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में सहायता मिल रही है। भोपाल मंडल द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे ये प्रयास भारतीय रेल के स्वच्छ ऊर्जा एवं सतत विकास के संकल्प को मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

मिशन लाइफ अभियान के छठवें दिन बीना एवं इटारसी स्टेशनों पर ई-कचरा प्रबंधन के प्रति किया जागरूक



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित के अंतर्गत छठवें दिन बीना एवं इटारसी स्टेशनों पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दिन की थीम 'ई-कचरा कम करना' रही। बीना स्टेशन पर मिशन लाइफ अभियान के अंतर्गत ई-कचरे को कम करने तथा पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इटारसी स्टेशन पर डिजिटल डिस्प्ले एवं पोस्टरों के माध्यम से ई-कचरे के उचित प्रबंधन का संदेश प्रसारित किया गया। इसके साथ ही रेल कर्मचारियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किया गया तथा संबंधित हितधारकों के साथ संवाद किया गया।

इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत कर पुनः उपयोग करने, उनके उपयोगी जीवन को बढ़ाने तथा अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री का अधिकृत एवं उचित माध्यम से निस्तारण करने के महत्व पर चर्चा की गई। अभियान का उद्देश्य रेल कर्मचारियों एवं आमजन को ई-कचरे के जिम्मेदार प्रबंधन के प्रति जागरूक करना तथा मरम्मत, पुनः उपयोग और उचित निस्तारण की आदतों को प्रोत्साहित करना है।

टीटीई देवेंद्र कुमार ने दिखाई संवेदनशीलता, दो बच्चों को सुरक्षित संरक्षण दिलाने के लिए की सराहनीय पहल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल में कार्यरत टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी सराहनीय योगदान दिया जा रहा है। इसी क्रम में 06 नवम्बर को भोपाल स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म संख्या 2 पर टिकट चेकिंग स्टाफ श्री देवेंद्र कुमार तिवारी ने दो बच्चों के संबंध में संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए सराहनीय पहल की। दोनों बच्चे उत्तर प्रदेश के कानपुर क्षेत्र के निवासी हैं,



जो बिना घर पर बताए निकल आए थे। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए श्री तिवारी ने मामले को गंभीरता से लिया तथा भोपाल स्थित रेलवे सुरक्षा बल प्रभारी को पत्र के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई करने और बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपुर्द कर उनके परिजनों तक सुरक्षित पहुंचाने का अनुरोध किया। इस संबंध में उन्होंने बच्चों के परिजनों एवं कानपुर पुलिस से भी संपर्क स्थापित किया, ताकि बच्चों की पहचान एवं उनके परिवार तक पहुंचाने की प्रक्रिया में समन्वय बना रहे। श्री देवेंद्र कुमार तिवारी की यह पहल रेलकर्मियों की संवेदनशीलता, सजगता एवं मानवीय दृष्टिकोण को दर्शाती है। भोपाल मंडल रेल प्रशासन उनके इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करता है।

नेशनल चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में सिंधिया एवं प्रबल प्रताप सिंह तोमर मुख्य अतिथि

श्रीमंत ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने व्हीलचेयर रग्बी फेडरेशन ऑफ इंडिया की आगामी नेशनल चैंपियनशिप की आधिकारिक जर्सी का किया अनावरण

■ एक सत बुलेटिन, **नई दिल्ली।**

व्हीलचेयर रग्बी फेडरेशन ऑफ इंडिया की आगामी नेशनल चैंपियनशिप को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री एवं जननेता श्रीमंत ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया जी ने व्हीलचेयर रग्बी फेडरेशन ऑफ इंडिया की आगामी नेशनल चैंपियनशिप की आधिकारिक जर्सी का अनावरण एवं लॉन्चिंग की। इस विशेष अवसर पर व्हीलचेयर रग्बी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. विवेक सिंह परिहार, उपाध्यक्ष श्री प्रदीप महाजन, जनरल सेक्रेटरी डॉ. अनिल अग्रही एवं श्री संदीप कुमार जी उपस्थित रहे। फेडरेशन के मुख्य संरक्षक एवं पैट्रन श्री प्रबल प्रताप सिंह



तोमर (रघु भैया) भी आगामी नेशनल चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में श्रीमंत ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया जी एवं श्री प्रबल प्रताप सिंह तोमर (रघु भैया) का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया। उनका सहयोग, मार्गदर्शन और दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रति प्रोत्साहन भारतीय व्हीलचेयर रग्बी खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर डॉ. विवेक सिंह परिहार ने बताया कि आगामी नेशनल चैंपियनशिप में देश के विभिन्न राज्यों से खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना तथा भारत में व्हीलचेयर रग्बी खेल को और अधिक मजबूत बनाना है। फेडरेशन के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि श्रीमंत ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया जी एवं फेडरेशन के मुख्य संरक्षक श्री प्रबल प्रताप सिंह तोमर (रघु भैया) ने आगामी नेशनल चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है। उनकी गरिमामयी उपस्थिति खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेगी और इस आयोजन को विशेष गौरव प्रदान करेगी। व्हीलचेयर रग्बी फेडरेशन ऑफ इंडिया परिवार की ओर से दोनों महानुभावों का हार्दिक आभार, अभिनंदन एवं धन्यवाद।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी विस्तार योजना की समीक्षा की

मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी का होगा विस्तार, 250 हेक्टेयर होगा सफारी का क्षेत्रः शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मुकुंदपुर स्थित महाराजा मार्तण्ड सिंह जू देव व्हाइट टाइगर सफारी का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने सफारी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और इसके आगामी विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण योजना की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुकुंदपुर की यह व्हाइट टाइगर सफारी अब देश और प्रदेश में काफी प्रसिद्ध हो चुकी है। वन्यजीव प्रेमियों, वन विभाग के अधिकारियों और पर्यटकों के बीच इसे एक विशिष्ट स्थान प्राप्त है। नेचुरल जंगल के बीच बनी यह टाइगर सफारी अपने आप में बेहद अनोखी है, जहाँ जानवरों को प्रसन्नता से विचरण करते देखना मन को प्रसन्न करता है। उप



मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में यह व्हाइट टाइगर सफारी लगभग 120 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें लगभग 119 हेक्टेयर का अतिरिक्त क्षेत्रफल और जोड़ने की योजना है। इसके पश्चात इसका कुल क्षेत्रफल बढ़कर लगभग 250 हेक्टेयर हो जाएगा। विस्तार योजना के तहत 25 हेक्टेयर में व्हाइट टाइगर सफारी और शेष भाग में चिड़ियाघर शामिल रहेगा। नए विस्तार क्षेत्र में 36 हेक्टेयर भूमि पर

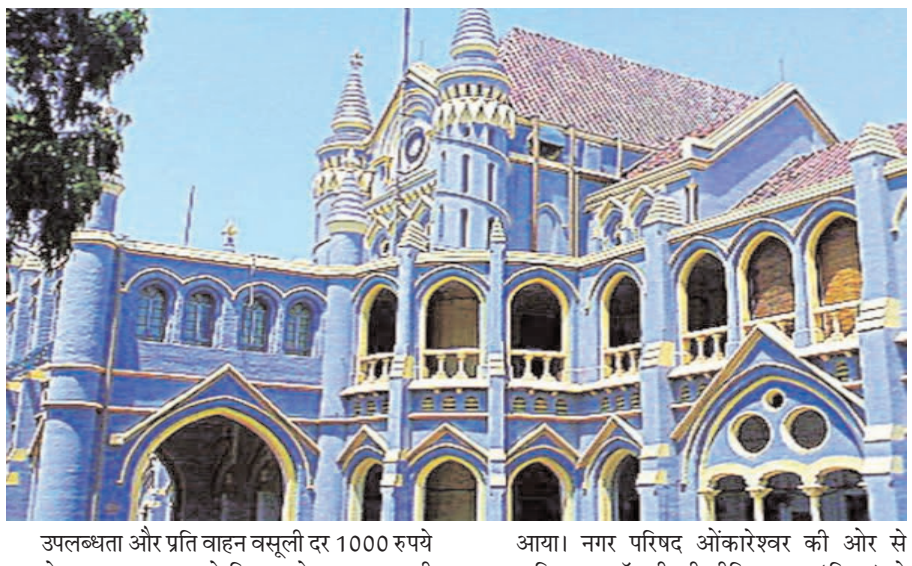


विंध्य वन सफारी बनाई जाएगी। इसके अलावा 30 हेक्टेयर क्षेत्र में साउथ अफ्रीकन सफारी का निर्माण किया जाएगा। बचे हुए क्षेत्रफल में जिराफ, जेब्रा और अन्य शाकाहारी वन्यजीवों को स्वतंत्र रूप से जंगल में छोड़ा जाएगा। पर्यटकों को गाड़ी से गुजरते समय इन जानवरों के सड़क पार करने जैसे मनमोहक दृश्य देखने को मिलेंगे, जो बिल्कुल नेशनल पार्क जैसा अहसास कराएंगे। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इस संपूर्ण विस्तार योजना की समीक्षा कर ली गई है। सरकार की यह कोशिश है कि इस योजना को जल्द से जल्द मंजूरी मिले और तेजी से काम शुरू किया जाए, ताकि पर्यटकों को यहाँ एक नया और भव्य अनुभव प्राप्त हो सके। भ्रमण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने सफारी परिसर में स्थित बंगाल टाइगर, सफेद बाघ, लेपर्ड, बटरफ्लाई पार्क तथा रेप्टाइल हाउस सहित विभिन्न बाड़ों का अवलोकन किया और अधिकारियों को रखरखाव व व्यवस्थाओं से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर डीएफओ विद्याभूषण मिश्रा, एसडीओ रामेश्वर टेकाम, एसडीओ दीपांकर, प्रदीप गौतम सुमन सहित रेंजर्स, पशु चिकित्सक एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पार्किंग ठेकेदार की याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन पर बकाया राशि वसूली की कार्रवाई को कोर्ट ने ठहराया उचित

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर ने नगर परिषद ओंकारेश्वर, जिला खंडवा के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए पार्किंग ठेकेदार की रिट याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति मनींदर एस. भट द्वारा पारित आदेश में नगर परिषद की ओर से पार्किंग ठेके की बकाया राशि वसूलने के लिए जारी नोटिस की कार्रवाई को अनुबंध की शर्तों के अनुरूप उचित ठहराया गया। प्रकरण के अनुसार, वर्ष 2026-27 के लिए चार पहिया वाहन पार्किंग का ठेका याचिकाकर्ता फर्म मेसर्स तनिका इंफ्राटेक को दिया गया था। इसके लिए 19 अगस्त 2026 को अनुबंध निष्पादित किया गया। अनुबंध की धारा 6 के तहत ठेका राशि सात मासिक किश्तों में जमा की जानी थी। वहीं धारा 8 में किश्त के लिए जारी चेक अनादरित होने की स्थिति में सुरक्षा निधि राजसात करने तथा बिना सूचना अनुबंध निरस्त करने का प्रावधान था। ठेकेदार द्वारा पहली किश्त की राशि 19 लाख 1 हजार 231 रुपये का चेक जारी किया गया था, लेकिन ठेकेदार के ही स्टॉप पेमेंट निर्देश के कारण बैंक ने चेक अनादरित कर दिया। इसके बाद नगर परिषद ने 23 एवं 25 सितंबर 2026 को नोटिस जारी कर बकाया किश्त जमा करने के निर्देश दिए। ठेकेदार ने राशि जमा करने के बजाय हाईकोर्ट में याचिका दायर कर नोटिस को चुनौती दी। याचिका में पार्किंग स्थल की अपर्याप्त उपलब्धता और प्रति वाहन वसूली दर 1000 रुपये से घटाकर 500 रुपये किए जाने का आधार भी प्रस्तुत किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि याचिकाकर्ता ने बिना किसी आपत्ति या विरोध के स्वेच्छा से अनुबंध निष्पादित किया था। नगर परिषद द्वारा जारी नोटिस अनुबंध की धारा 8 के अनुरूप थे। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संविदात्मक अधिकारों के प्रयोग में हस्तक्षेप तभी उचित है, जब दुर्भावना अथवा मनमानी प्रमाणित हो। वर्तमान मामले में नगर परिषद के विरुद्ध ऐसा कोई आधार सामने नहीं आया। नगर परिषद ओंकारेश्वर की ओर से अधिवक्ता डॉ. श्रीमती प्रीति पाठक (मिश्रा) ने प्रभावी पैरवी की। हाईकोर्ट ने उनकी दलीलों पर विचार करते हुए रिट याचिका निरस्त कर नगर परिषद की कार्रवाई को उचित ठहराया। इस फैसले को नगरीय निकायों के संविदात्मक अधिकारों और शासकीय राजस्व की वसूली के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। न्यायालय के आदेश से स्पष्ट हुआ है कि स्वेच्छा से अनुबंध करने वाले ठेकेदार के लिए उसकी शर्तों का पालन करना अनिवार्य है।

राजस्व कार्यों के साथ स्वामित्व योजना पर भी फोकस, अपर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



अपर कलेक्टर रविशंकर राय ने स्वामित्व योजना और सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को लंबित शिकायतों का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में ऐसे आवेदनों की भी जांच की जाए, जिनमें आवेदक का काम तकनीकी या अन्य कारणों से पूरा नहीं हो पाया है अथवा आवेदन निरस्त कर दिया गया है। संबंधित तहसीलों से समन्वय कर ऐसे प्रकरणों का निराकरण कराया जाए। अपर कलेक्टर ने कहा कि दीपावली के अवकाश के दौरान भी सीएम हेल्पलाइन को प्राथमिकता में रखें। पटवारियों से संपर्क कर आवेदकों को बुलवाएं और लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं, ताकि शिकायतों की संख्या शून्य तक लाई जा सके। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना और सीएम हेल्पलाइन के कार्यों के बीच संतुलन बनाकर दोनों की प्रगति सुनिश्चित करना जरूरी है। बैठक में स्वामित्व योजना के तहत आधार ओटीपी और ई-केवाईसी से जुड़ी तकनीकी समस्याओं पर भी चर्चा हुई। अपर कलेक्टर ने कहा कि संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर इन समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। त्योहारों के दौरान गांव लौटने वाले ऐसे लोगों से संपर्क कर ई-केवाईसी और लंबित सत्यापन का काम पूरा कराने के प्रयास किए जाएं।

पारस जैन भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर बने, समर्थकों में खुशी की लहर

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



भारतीय युवा कांग्रेस में भाई पारस जैन को राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति से समर्थकों एवं युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है।पारस जैन की नियुक्ति को संगठन में उनकी सक्रियता, समर्पण और कार्यक्षमता को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया समन्वय की जिम्मेदारी मिलने से संगठन की गतिविधियों, विचारों और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाने में उन्हें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेसजनों, युवा कांग्रेस पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है।

दीपावली पर 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों का प्रस्तावित आंदोलन स्थगित

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्यप्रदेश के लगभग 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों ने दीपावली पर्व के दौरान 7 एवं 8 नवंबर 2026 को प्रस्तावित काम बंद आंदोलन को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। इसकी घोषणा मध्यप्रदेश बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव, महामंत्री दिनेश सिसोदिया एवं जनता यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र भदौरिया ने की। प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने बताया कि बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की 34 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर भोपाल में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रशासन तथा जबलपुर में पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अधिकारियों के साथ चर्चा हो चुकी है। वहीं शेष चार बिजली कंपनियों पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण, पावर मैनेजमेंट एवं पावर जनरेटिंग कंपनी के साथ दीपावली के बाद चर्चा प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि ऊर्जा सचिव के साथ हुई सकारात्मक चर्चा और मांगों के निराकरण की दिशा में आगे बढ़ रही बातचीत को देखते हुए कर्मचारियों ने दीपावली के दौरान प्रस्तावित आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया है। आंदोलन स्थगित होने के बाद अब सभी बिजली आउटसोर्स कर्मचारी दीपावली के अवकाश के बावजूद पूरी तत्परता से विद्युत व्यवस्था के सुचारू संचालन, संधारण, रखरखाव एवं मेंटेनेंस सहित अन्य आवश्यक कार्यों में अपना योगदान देंगे।

दीपावली एवं छठ पूजा पर स्टेशनों में अतिरिक्त व्यवस्थाएं स्टेशनों पर हेल्प डेस्क एवं अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं अतिरिक्त यात्री भार को ध्यान में रखते हुए जबलपुर रेल मंडल द्वारा प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता के निर्देशन में जबलपुर रेल मंडल द्वारा यात्री सुविधाओं एवं भीड़ प्रबंधन की निरंतर निगरानी की जा रही है।

जबलपुर, मदन महल, कटनी, कटनी मुड़वारा, सतना, सागर, दमोह, पिपरिया सहित मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा एवं मार्गदर्शन के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। यात्रियों को टिकट प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से एटीवीएम तथा एम-यूटीएस मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग जैसी डिजिटल सुविधाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अधिक यात्री भार को ध्यान में रखते हुए जबलपुर, कटनी एवं कटनी मुड़वारा स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर संचालित करने का प्रावधान है। इसके साथ ही यात्रियों की सहायता एवं उचित मार्गदर्शन के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए जा रहे हैं तथा अतिरिक्त रेलवे कर्मचारियों की तैनाती की गई है। त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं संभावित भीड़ को सुव्यवस्थित रूप से नियंत्रित करने तथा यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जबलपुर रेल मंडल द्वारा प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाने का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत जबलपुर रेलवे स्टेशन पर 5 हजार वर्गफुट, कटनी रेलवे स्टेशन पर 2 हजार वर्गफुट, कटनी मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर 2 हजार वर्गफुट तथा सतना रेलवे स्टेशन पर 2 हजार वर्गफुट क्षेत्र में होल्डिंग एरिया विकसित करने की व्यवस्था प्रस्तावित है। इन होल्डिंग एरिया के माध्यम से यात्रियों को व्यवस्थित रूप से एकत्रित रखने, प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने तथा सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

कर्मचारी हित निधि से दिव्यांग रेल कर्मचारियों को मिली सुविधाएँ



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

जबलपुर रेल मंडल द्वारा कर्मचारी हित निधि उप समिति, जबलपुर मंडल द्वारा दिव्यांग कर्मचारियों को उनकी दैनिक आवश्यकताओं एवं कार्यगत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा के मुख्य आतिथ्य एवं करकमलों से शुक्रवार को जबलपुर मंडल के लेवल-1 के 06 दिव्यांग कर्मचारियों को कर्मचारी हित निधि के माध्यम से ई-स्कूटी प्रदान की गई। ई-स्कूटी प्राप्त करने वाले इसके अतिरिक्त, लेवल-1 के 07 दृष्टिबाधित दिव्यांग कर्मचारियों को स्मार्ट ग्लास प्रदान किए गए। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी वरुण चतुर्वेदी, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) सचि पति नंदन, कर्मचारी हित निधि उप समिति के सदस्य हर्ष वर्मा, विकास कुमार (डब्ल्यूसीआरएमएस), जे.पी. गुप्ता (ओबीसी ऐसोसिएशन), अरविंद कुमार (एस/एसटी ऐसोसिएशन) तथा मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक रविंद्र त्रिपाठी उपस्थित रहे।

ई-रिक्शा और कार वालों ने मुख्य मार्गों में लगवाया जाम, बाजार क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था ध्वस्त, जाम में फसे लोग

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



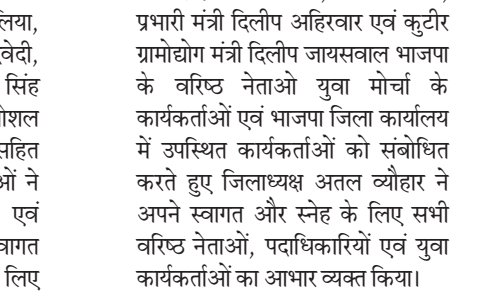
6 दिवसीय दीपोत्सव पर्व की शुरूआत शुक्रवार को धनतेरस के साथ हो गई। पहले दिन स्वास्थ्य के देवता भगवान धनवंतरी की पूजा अर्चना कर लोगों ने स्वस्थ रहने की प्रार्थना की। वहीं धनतेरस पर शुभ खरीदी के मुहूर्त और परंपरा को लेकर बाजारों में खासी भीड़ रही। एक दिन पहले ही बाजार ग्राहकों के लिए सजधज कर तैयार हो गये थे। मंहगाई की मार के बावजूद लोगों ने खासकर केन्द्रीय कर्मचारियों को बोनस और राज्य कर्मचारियों को वेतन समय से पूर्व हो जाने से जमकर खरीददारी की। स्वर्ण आभूषण वालों के बाद बर्तन वालों ने जमकर चांदी काटी। जबकि मेवा मिष्ठान और कपड़े वालों की ग्राहकी में मंदी रही। धनतेरस की पूर्व संध्या से ही बाजारों में भीड़ उमड़ने लगी थी। शाम ढलने के साथ-साथ भीड़ और बढ़ने लगी। रात में बाजारों में पैर रखने की जगह नहीं थी। शाम के वक्त चौपाया वाहन, हाथ ठेला और ई-रिक्शा ने नगर के तंग गली बाजार फुहारा, कमानिया, गंजीपुरा, गढ़ाफाटक मेन रोड, सिविक सेंटर के चारों ओर, ब्लूम चौक, गोरखपुर मार्केट, अंधेरदेव, मुकादमगंज, करमचंद चौक से घंटाघर मार्ग, अधारताल, रद्दी चौकी, दमोहनाका, आदि क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था चरपट कर दी। लोग घंटो जाम में फंसे रहे, कही जगह वाद विवाद स्थिति बनी7 दिनभर पुलिस नदारद रही, शाम 7 बजे के बाद प्वाइंटों पर पुलिस तैनात हुई, तब तक ई-रिक्शा, कार चालक , मालवाहक आटो, कोहराम मचा चुके थे सड़कों पर दुकानें पसरी रही.

कार सवार 4 बदमाशों ने व्यापारी को टक्कर मारकर लूटे लाखों के जेवरात

जबलपुर। सिहोरा के पास गौरहा गांव में शुक्रवार सुबह बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। कार सवार चार बदमाशों ने सोना-चांदी के व्यापारी को निशाना बनाते हुए पहले उनकी गाड़ी को पीछे से जोरदार टक्कर मारी और सड़क पर गिरते ही उनके पास रखे लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात लूटकर फरार हो गए। सुबह-सुबह हुई इस वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरगी मोहल्ला निवासी विकास सोनी, पिता मनोज सोनी, सोना-चांदी के व्यापारी हैं। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे वे जेवरात लेकर गौरहा गांव की ओर जा रहे थे।

धनतेरस पर 193 करोड़ का कारोबार, कैट का अनुमान बाजारों में उमड़ा ग्राहकों का सैलाब

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



धनतेरस के पावन अवसर पर जबलपुर के व्यापारिक बाजारों में उत्साह और रौनक देखने को मिली। शुभ मुहूर्त में खरीदारी के लिए सुबह से ही बाजारों, शोरूमों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों में ग्राहकों की अच्छी आवाजाही रही। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), जबलपुर द्वारा विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज शाम 5 बजे तक जबलपुर में लगभग 193 करोड़ 50 लाख रुपये का कारोबार दर्ज किया गया है। इस वर्ष ऑटोमोबाइल, सराफा, मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, मिठाई, किराना, बर्तन, सजावटी सामग्री सहित लगभग सभी व्यापारिक क्षेत्रों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। ऑटोमोबाइल सेक्टर - 52 करोड़ 50 लाख रुपये, दोपहिया वाहनों की लगभग 1 हजार 500 गाड़ियों की बिक्री दर्ज की गई। प्रति वाहन औसतन एक लाख रुपये के आधार पर लगभग 15 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। वहीं चारपहिया वाहनों की लगभग 250 कारों की बिक्री हुई। प्रति कार औसतन 15 लाख रुपये के आधार पर लगभग 37 करोड़ 50 लाख रुपये का कारोबार दर्ज किया गया। सराफा बाजार में धनतेरस पर विशेष उत्साह देखने को मिला। सोने-चांदी के आभूषणों, सिक्कों एवं हीरा-जवाहरात की खरीदारी के चलते लगभग 100 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया गया।

युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अतल व्यौहार के अनूपपुर प्रथम आगमन पर उमड़ा कार्यकर्ताओं का जनसैलाब

मंत्री दिलीप जायसवाल सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने दिया आशीर्वाद

एक सत बुलेटिन, कोतमा/ अनूपपुर



भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अतल व्यौहार के प्रथम अनूपपुर आगमन पर भाजपा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। उनके स्वागत को लेकर जिलेभर में उत्साहपूर्ण माहौल रहा। रेलवे स्टेशन से लेकर भाजपा जिला कार्यालय और फिर अनूपपुर से कोतमा तक निकली स्वागत रैली में सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं वाहनों का काफिला शामिल हुआ। जगह-जगह ढोल-ताशों, आतिशबाजी और पुष्पमालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। रेलवे स्टेशन से भाजपा कार्यालय तक निकला जुलूस अतल व्यौहार के अनूपपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर अनूपपुर भाजपा के जिला मंत्री राजा तिवारी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के महामंत्री शिवरतन वर्मा एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष अभय पांडे पूर्व मंडल उपाध्यक्ष निरंजन शुक्ला की अगुवाई में निकली रैली में किरगी ग्राम पंचायत के सरपंच एवं युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह परस्ते,पसान मंडल मंत्री विक्की सिंह,पूर्व युवा मोर्चा जिला महामंत्री दीपक यादव, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विशाल ताम्रकार, अमन सिंह परिहार सहित सैकड़ों युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अनूपपुर रेलवे स्टेशन से कोतवाली बस स्टैंड सामतपुर हनुमान मंदिर होते हुए रैली भाजपा कार्यालय पहुंची। ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच जुलूस के रूप में कार्यकर्ता उन्हें भाजपा जिला कार्यालय लेकर पहुंचे। यहां पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता सांसद प्रतिनिधि वेदप्रकाश द्विवेदी, जिला सह कोषाध्यक्ष रामनारायण उरमलिया, जिला कार्यालय मंत्री चंद्रिका द्विवेदी, वेंकट नगर मंडल अध्यक्ष विजय सिंह राठौर, युवा मोर्चा आईटी एवं सोशल मीडिया संयोजक अक्षय पांडे सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। नेताओं एवं पदाधिकारियों ने पुष्पमालाओं से स्वागत कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। स्वागत से अभिभूत युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अतल व्यौहार ने भाजपा कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, रामलाल रौतेल, प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार एवं कुटीर ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल भाजपा के वरिष्ठ नेताओ युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं एवं भाजपा जिला कार्यालय में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अतल व्यौहार ने अपने स्वागत और स्नेह के लिए सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं युवा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यावधि हार

राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यावधि चुनावों में करारी हार हुई है। बेशक वह अमरीका के राष्ट्रपति बने रहेंगे, लेकिन उनका करीब दो साल का शेष कार्यकाल लुंज-पुंज ही साबित होगा। अमरीकी कांग्रेस (संसद) के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स को बहुमत हासिल हुआ है। अब ट्रंप मनमर्जी, निरंकुश, सनकी, एकाधिकारवादी, हस्तक्षेपी, आक्रांता राष्ट्रपति के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे। बल्कि उनके खिलाफ कई जांचें बिठाई जा सकती हैं। कई विवादास्पद परतें खुल सकती हैं। उनके परिवार की 19,000 करोड़ रुपए की कमाई और संपत्ति, क्रिप्टो कारोबार तथा 20,000 से अधिक स्टॉक डील्स को खंगाला जा सकता है। ईरान युद्ध पर खर्च और नुकसान आदि के यथार्थ सामने आ सकते हैं। अमरीकी जनता हैरान हो सकती है। उनके कारण जनता का जो मोहभंग होगा, उसका खामियाजा ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को झेलना पड़ेगा। पार्टी में ट्रंप का विरोध इतना बढ़ सकता है कि उनके नेतृत्व को खारिज किया जा सकता है। विश्लेषण सामने आए हैं कि करीब 91 फीसदी अश्वेतों, करीब 70 फीसदी हिस्पैनिक और एशियाई, 59 फीसदी अन्य ने राष्ट्रपति ट्रंप की पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ वोट दिए। 18-29 आयु वर्ग के युवाओं और एशियाई मूल (भारतवंशी भी शामिल) के हर 10 में से 7 मतदाताओं ने डेमोक्रेट्स के पक्ष में जनादेश दिया है। इस आधार पर आकलन किया जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के मध्यावधि कार्यकाल के प्रति जनमत कैसा है? जनता के बीच राष्ट्रपति की लोकप्रियता 31-32 फीसदी तक क्यों लुढक आई है? इसमें सिर्फ ईरान युद्ध ही बुनियादी कारण नहीं है। तेल-गैस, डीजल के बढ़े दाम, रोजमर्रा की वस्तुओं की महंगाई, हेल्थ केयर की व्यवस्था के प्रति राष्ट्रपति ट्रंप के सख्त फैसले, टैरिफ को लेकर कारोबारियों और आम आदमी की परेशानियां, महंगाई आदि कुछ बेहद संवेदनशील मुद्दों के आधार पर अमरीकी जनता ने ट्रंप के खिलाफ यह जनादेश दिया है।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी मान रहे हैं कि ईरान के खिलाफ युद्ध और महंगाई ही हमारी हार की मुख्य वजह रही हैं, लेकिन इस मध्यावधि जनादेश से राष्ट्रपति ट्रंप हो जाएंगे, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अमरीका के संविधान के अनुच्छेद 1 और 2 में राष्ट्रपति की शक्तियों का उल्लेख है। वह डेमोक्रेट्स के बहुमत वाली संसद में पारित बिलों पर वीटो कर उन्हें खारिज कर सकते हैं। बेशक सीनेट का दो-तिहाई बहुमत वीटो को भी बेअसर कर सकता है, लेकिन डेमोक्रेट्स के पास इतना बहुमत नहीं है। अब युद्ध के संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप मनमाना फैसला नहीं कर सकते। यदि युद्ध में सेना भेजी गई है, तो राष्ट्रपति को 48 घंटे में अमरीकी कांग्रेस (संसद) को रपट देनी होगी। सेना की वापसी के लिए राष्ट्रपति को 30 दिन की अवधि मिलेगी, यह भी उनकी शक्तियों में शामिल है, लेकिन फिलहाल युद्ध का बजट पारित कराना या बजट की राशि में वृद्धि कराना भी मुश्किल होगा। युद्ध मंत्री हेगसेथ ने ईरान युद्ध का अभी तक का खर्च 2.55 लाख करोड़ रुपए बताया है। इसकी जांच कराई जा सकती है। राष्ट्रपति इस मध्यावधि पराजय के लिए युद्ध मंत्री हेगसेथ को बलि का बकरा बना सकते हैं। बहरहाल भारत के संदर्भ में यह जनादेश आसान और सरल नहीं है। टैरिफ पर कानून बन चुका है, लिहाजा राष्ट्रपति ट्रंप कभी भी भारत पर टैरिफ थोप सकते हैं। व्यापार-समझौते का दबाव अब भी रहेगा। भारत में जीई एयरोस्पेस के जेट इंजन और उन्नत बख्तरबंद वाहनों के निर्माण का जो साझा करार हुआ था, संसद में दोनों दलों ने इसका समर्थन किया था, उसके क्रियान्वयन की गति धीमी पड़ सकती है। ट्रंप विदेश नीति को पूरी तरह लेन-देन पर आधारित अमरीका फर्स्ट के नजरिए से देखते हैं। इसके मायने हैं कि उनका प्रशासन अमरीकी संरक्षणवाद को ज्यादा बढ़ावा दे सकता है। ट्रंप व्यापार समझौते और रूस से तेल आयात करने सरीखे मुद्दों पर भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे।

नरक चतुर्दशी: नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व

योगेश कुमार गोयल

> नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सद्गुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। नरक चतुर्दशी नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है।

यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है।मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है।

इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा।

नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सद्गुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

नरक चतुर्दशी पर्व को नरक चौदस, रूप चतुर्दशी, काल चतुर्दशी तथा छोटी दीवाली के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है।

यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा नरकासुर नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे।

अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दिवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं।

यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं।

गोवर्धन पूजा : गौ-सेवा, प्रकृति संरक्षण और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का संकल्प

राजेन्द्र शुक्ल

गोवर्धन पूजा हमारी सनातन संस्कृति का ऐसा पावन पर्व है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, गौ-माता के प्रति श्रद्धा और समस्त जीव-जगत के संरक्षण का संदेश देता है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला हमें सिखाती है कि प्रकृति, पर्वत, जल, वनस्पति और गौवंश का संरक्षण मानव जीवन के अस्तित्व और समृद्धि के लिए अनिवार्य है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व और समाज के सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है।

भारत की संस्कृति में गौ-माता को विशेष स्थान प्राप्त है। हमारी कृषि व्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण, पर्यावरण और सामाजिक जीवन में गौवंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश अपनी इसी समृद्ध परंपरा को आधुनिक विकास की अवधारणा के साथ जोड़कर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री का विजन है कि गांव आत्मनिर्भर बनें, किसान समृद्ध हों, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो और अपशिष्ट भी आर्थिक संपदा में परिवर्तित हो। गौ-संवर्धन, प्राकृतिक खेती, जैविक खाद और गोबर से स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन इसी व्यापक दृष्टिकोण के महत्वपूर्ण आयाम हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ की गई प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की पहल और गोबर-धन जैसी योजनाएं इस सोच को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान कर रही हैं। गोबर-धन के माध्यम से गोबर एवं अन्य जैविक अपशिष्ट से बायोगैस और कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे स्वच्छ ऊर्जा के साथ जैविक खाद का उत्पादन, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और किसानों के लिए आय के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। अगस्त 2026 में केंद्र सरकार द्वारा 23,731 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली राष्ट्रीय सर्कुलर बायो एनर्जी योजना को स्वीकृति दिया जाना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रधानमंत्री के वेस्ट-टू-वेल्थ और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और गति प्रदान करेगा।

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार गौ-संरक्षण एवं संवर्धन को जनभागीदारी और आर्थिक स्वावलंबन से जोड़कर आगे बढ़ा रही है। प्रदेश में वर्ष 2024-25 को गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया गया। गौशालाओं को मिलने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौवंश प्रतिदिन की गई है। गौवंश के भरण-पोषण के लिए बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। पंजीकृत एवं संचालित गौशालाओं को डीबीटी के माध्यम से सीधे अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे गौवंश के लिए चारा, आहार, देखभाल और आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सके।

प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गौशालाएं केवल निराश्रित गौवंश को आश्रय देने तक सीमित न रहें बल्कि वे आत्मनिर्भरता और ग्रामीण रोजगार के केंद्र भी बनें। गोबर से जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, गो-काष्ठ, उपले तथा अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार करने से गौशालाओं की आय बढ़ सकती है। गोबर और गोमूत्र आधारित प्राकृतिक खेती से खेती की लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के अवसर उपलब्ध होते हैं। इस प्रकार गौ-संवर्धन किसान, पशुपालक, महिला स्व-सहायता समूह और ग्रामीण उद्यमियों के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन सकता है।



विंध्य की धरती पर गौ-संरक्षण और प्राकृतिक खेती के इसी समन्वित दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण बसामन मामा गोवंश वन्य विहार, रीवा है। यह केवल गौवंश के आश्रय का केंद्र नहीं बल्कि गौ-सेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और प्राकृतिक खेती का एक विकसित होता मॉडल है। लगभग एक हजार एकड़ वन क्षेत्र से घिरे इस परिसर में निराश्रित गौवंश के संरक्षण के साथ प्राकृतिक संसाधनों के सदुपयोग की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। यहां गोबर और गोमूत्र से जैविक खाद तथा अन्य उत्पाद तैयार करने की संभावनाओं को विकसित किया जा रहा है। गौवंश आधारित प्राकृतिक खेती का यह प्रयोग छोटे और सीमांत किसानों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकता है।

गत 25 दिसंबर 2025 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का रीवा स्थित बसामन मामा गोवंश वन्य विहार में आगमन हमारे लिए विशेष गौरव का विषय रहा। केंद्रीय मंत्री शाह ने गौवंश वन्य विहार का अवलोकन किया तथा गौ-संरक्षण और प्राकृतिक खेती के प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने बसामन मामा गोवंश वन्य विहार को प्राकृतिक खेती के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को समृद्ध बनाने का सफल प्रयोग बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ेगी, पानी का संरक्षण होगा और लोगों को अनेक प्रकार की बीमारियों से बचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाने और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान भी किया। केंद्रीय मंत्री शाह का यह वक्तव्य हमारे लिए मार्गदर्शक है। बसामन मामा में विकसित हो रहा मॉडल यह प्रमाणित करता है कि गौवंश का संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं। इस क्षेत्र को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के ऐसे मॉडल के रूप में विकसित करने का प्रयास है, जहां गौशाला से प्राप्त संसाधनों का उपयोग कृषि, उद्यानिकी, जैविक खाद और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में किया जा सके।

रीवा में ही हिनौती गौधाम वन्य विहार को आदर्श गौ-अभयारण्य के रूप में विकसित करने की योजना भी इसी सोच का विस्तार है। यहां 15 हजार से अधिक गौवंश को आश्रय देने की परिकल्पना की गई है। प्रारंभिक चरण में तीन हजार गौवंश के लिए व्यवस्थाएं विकसित करने तथा आगे चलकर गौधाम को कौशल प्रशिक्षण, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वरोजगार से जोड़ने की योजना है। गोबर गैस संयंत्र और धान के पैरे से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रकल्प भी इस पहल को पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ते हैं। हिनौती गौधाम भविष्य में गौ-संरक्षण और स्थानीय रोजगार का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

रीवा की ऐतिहासिक लक्ष्मणबाग गौशाला गौ-सेवा और संरक्षण की हमारी परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां गौवंश के संरक्षण, उनके भरण-पोषण तथा गौशाला की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। लक्ष्मणबाग जैसी संस्थाओं का संरक्षण और विकास हमारी सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता को भी मजबूत करता है। मेरा मानना है कि शासन के प्रयासों के साथ समाज, धार्मिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से गौ-संरक्षण का अभियान व्यापक जनआंदोलन बन सकता है।

राज्य सरकार का संकल्प है कि मध्यप्रदेश में गौवंश को निराश्रित छोड़ने की समस्या का स्थायी समाधान हो। इसके लिए गौशालाओं की क्षमता बढ़ाने, चारे की उपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं, बेहतर प्रबंधन और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही गौपालन को किसानों की अतिरिक्त आय का माध्यम बनाने, नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन और पशुपालन आधारित स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। गोवर्धन पूजा हमें यह स्मरण कराती है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता भी है। गौ-माता की सेवा, गौवंश का संरक्षण, प्राकृतिक खेती और जैविक संसाधनों का सदुपयोग हमारे भविष्य को सुरक्षित बनाने के महत्वपूर्ण आधार हैं। आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी गौ-सेवा, गौ-संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और प्राकृतिक खेती को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लें। प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को गौ-संवर्धन, प्राकृतिक खेती और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए हम सभी मिलकर कार्य करें। गौ-सेवा में संस्कृति का संरक्षण है, प्रकृति के सम्मान में मानवता का कल्याण है और आत्मनिर्भर गांवों में विकसित भारत का भविष्य है।

धनतेरस पर बाजारों में धनवर्षा, रात 9 बजे तक 400 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार

चार पहिया वाहनों की बिक्री ने बनाया नया रिकॉर्ड, 200 करोड़ की कारें बिकीं

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



धनतेरस के पावन अवसर पर शुक्रवार को ग्वालियर के बाजारों में जमकर धनवर्षा हुई। सुबह से ही शहर के प्रमुख बाजारों, वाहन शोरूम, सराफा दुकानों, इलेक्ट्रॉनिक प्रतिष्ठानों और कपड़ा बाजारों में खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ती रही। शुभ मुहूर्त में खरीदारी करने के लिए लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। रात 9 बजे तक शहर में 400 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने का अनुमान सामने आया। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा चार पहिया वाहनों की बिक्री का रहा। अकेले वाहन कारोबार में करीब 200 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ, जबकि सराफा बाजार में रात 9:30 बजे तक लगभग 60 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के आभूषणों की खरीदारी दर्ज की गई।

धनतेरस पर बाजारों की रौनक देखते ही बन रही थी। वाहन खरीदने वालों से लेकर सोने-चांदी के आभूषण लेने वाले ग्राहकों तक हर वर्ग में उत्साह नजर आया। इसके अलावा संपत्ति की खरीद-फरोख्त, इलेक्ट्रॉनिक सामान, कपड़े, घरेलू उपयोग की वस्तुओं और अन्य उपभोक्ता सामान की दुकानों पर भी अच्छी ग्राहकी रही। कारोबारियों को उम्मीद है कि दीपावली तक बाजारों में खरीदारी का सिलसिला जारी रहेगा और कारोबार में और वृद्धि होगी। चार पहिया वाहनों का कारोबार 200 करोड़ के पार धनतेरस पर वाहन बाजार में सबसे अधिक रौनक देखने को मिली। शुक्रवार को ग्वालियर में करीब 200 करोड़ रुपए के चार पहिया वाहनों की बिक्री हुई। कार खरीदने के लिए ग्राहक पहले से ही शोरूम में पहुंच रहे थे। कई लोगों ने धनतेरस के शुभ अवसर पर नई गाड़ी घर लाने के लिए पहले से बुकिंग करा रखी थी। वाहन कारोबार में प्रेम मोटर्स की ओर से शुक्रवार को ही 88 कारों की बुकिंग दर्ज की गई। शोरूमों में सुबह से लेकर देर शाम तक ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। ग्राहक अपनी पसंद, जरूरत और बजट के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों की कारें खरीदते नजर आए। धनतेरस पर बिकने वाली सबसे महंगी कार टोयोटा की फॉर्च्यूनर रही, जिसकी कीमत लगभग 42 लाख रुपए बताई गई। वाहन शोरूमों में देर रात तक गाड़ियों की सुपुर्दगी का सिलसिला जारी था। कई ग्राहक नई कार की चाबी लेकर अपने परिवार के साथ घर रवाना होते दिखाई दिए। सराफा बाजार में 60 करोड़ की खरीदारी, देर रात तक रही ग्राहकी धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदने की परंपरा के चलते सराफा बाजार में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शुक्रवार को सुबह से ही आभूषणों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ जुटने लगी थी। महिलाओं ने सोने के हार, चेन, अंगूठी, मंगलसूत्र और अन्य आभूषणों की खरीदारी की, वहीं चांदी के सिक्के, बर्तन और पूजन सामग्री की भी खूब मांग रही।रात 9:30 बजे तक सराफा बाजार में करीब 60 करोड़ रुपए का कारोबार हो चुका था। सराफा कारोबारियों का कहना था कि अभी ग्राहक बाजार पहुंच रहे हैं और रातभर खरीदारी जारी रहने की संभावना है। कारोबारियों को उम्मीद थी कि मौजूदा कारोबार में आगे और वृद्धि होगी तथा कुल बिक्री अभी तक हुए कारोबार से दोगुनी तक पहुंच सकती है। धनतेरस के अवसर पर सोने-चांदी की खरीदारी को शुभ माना जाता है। इसी परंपरा के चलते लोग अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार छोटे सिक्कों से लेकर बड़े आभूषणों तक की खरीदारी करते हैं। इस बार भी बाजार में सभी तरह के ग्राहकों की मौजूदगी रही। संपत्ति की खरीदारी में भी दिखा उत्साह, 300 से अधिक रजिस्ट्री धनतेरस का उत्साह केवल वाहन और सराफा बाजार तक सीमित नहीं रहा।

बोनस और वेतन नहीं मिलने से कमला राजा अस्पताल के 1800 सफाईकर्मी और सुरक्षाकर्मी हड़ताल पर

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



दीपावली से पहले कर्मचारियों ने शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना, अस्पताल के बाहर बैठे कर्मचारी। महिला वार्डों में जमा हुआ कचरा, नवजात शिशुओं और मरीजों में संक्रमण फैलने का खतरा। वेतन 10,800 से बढ़ाकर 18 हजार रुपए करने का आश्वासन भी अधूरा। ग्वालियर। दीपावली के त्योहार से ठीक पहले ग्वालियर के कमला राजा अस्पताल में सफाई और सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले करीब 1800 आउटसोर्स कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। बोनस और वेतन का भुगतान नहीं होने से नाराज सफाईकर्मियों और सुरक्षाकर्मियों ने शुक्रवार से काम बंद कर अस्पताल के बाहर धरना शुरू कर दिया। कर्मचारियों की हड़ताल का सीधा असर अस्पताल की व्यवस्थाओं पर दिखाई देने लगा है। सफाई कार्य बंद होने से अस्पताल परिसर और महिला वार्डों में जगह-जगह कचरे के ढेर जमा हो गए हैं। इससे भर्ती मरीजों, गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को लेकर परिजनों की चिंता बढ़ गई है। कर्मचारियों का कहना है कि दीपावली से पहले उन्हें बोनस और बकाया वेतन देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन त्योहार नजदीक आने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। वेतन बढ़ाने का वादा भी पूरा नहीं हुआ। लगातार आश्वासन मिलने के बाद भी जब उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो मजबूर होकर उन्हें हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनका बकाया भुगतान नहीं किया जाएगा.

पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को मिलेगी आर्थिक सहायता

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



राज्य शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 'मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना' के अंतर्गत विदेश के मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक पात्र विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सरकार द्वारा यह योजना पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान युवाओं को विदेशों में उच्च अध्ययन (स्नातकोत्तर एवं पीएचडी) के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है ।सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस योजना के अंतर्गत प्रदेशभर से कुल 50 विद्यार्थियों का चयन किया जाना है।

पटेल नगर में मधुरम सैंडविच ने सड़क पर फैलाया कचरा, नगर निगम ने लगाया 7 हजार रुपए का जुर्माना

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



शहर को स्वच्छ, सुंदर और साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए नगर निगम ने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों को साफ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगम द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में सड़क पर कचरा फेंकने, अमानक पॉलीथिन का उपयोग करने, गोबर नालियों में बहाने तथा भवन निर्माण सामग्री सार्वजनिक सड़कों पर डालने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत नगर निगम की टीम ने पटेल नगर क्षेत्र में स्थित मधुरम सैंडविच पर सड़क पर गंदगी फैलाने के मामले में 7 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा गोविंदपुरी रोड पर स्थित बीयर बार के अहाते द्वारा गंदगी फैलाने पर 2500 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। वहीं वार्ड क्रमांक 27 में सड़क पर कचरा फेंकने वाले सब्जी के ठेले संचालकों, नाश्ते के ठेले वालों और दुकानदारों से कुल 5250 रुपए का जुर्माना वसूला गया। निगम आयुक्त के निर्देश पर लगातार हो रही कार्रवाई मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के निर्देशानुसार शहर में स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध लगातार चालानी कार्रवाई की जा रही है।

माचिस एवं किसी भी प्रकार के खुले अग्नि स्त्रोत का उपयोग नहीं करने के निर्देश दिए गए

मेला ग्राउंड में आतिशबाजी दुकानदारों और कर्मचारियों के लिए स्वच्छता व अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



दीपावली के पावन अवसर पर ग्वालियर मेला ग्राउंड में लगाई गई आतिशबाजी (पटाखों) के दुकानदारों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता, सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध तथा अग्नि सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश एवं समझाइश दी गई। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत आज नगर निगम की सहयोगी संस्था आईईसी टीम द्वारा ग्वालियर मेला ग्राउंड में लगाई गई आतिशबाजी के दुकानदारों को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एवं वितरण नहीं करने की समझाइश दी गई। इसके साथ ही दुकानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने एवं कचरे का उचित प्रबंधन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रत्येक दुकान पर अग्निशमन यंत्र की उपलब्धता सुनिश्चित करने की समझाइश दी गई। आगजनी की आपातकालीन स्थिति से बचाव हेतु पानी एवं रेत से भरी बाल्टियां पर्याप्त मात्रा में रखने के लिए कहा गया। पटाखों के आसपास धूम्रपान, माचिस एवं किसी भी प्रकार के खुले अग्नि स्त्रोत का उपयोग नहीं करने के निर्देश दिए गए। विद्युत वायरिंग एवं अस्थायी विद्युत कनेक्शनों को सुरक्षित रखने के संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही आईईसी टीम द्वारा कचरा ट्रांसफर स्टेशन मेला ग्राउंड पर कार्यरत सभी कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान कर्मचारियों को कचरे एवं ज्वलनशील पदार्थों में आग लगने की संभावनाओं, आग से बचाव के उपायों तथा आपातकालीन स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया।

शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर ठगे 1.74 लाख:ग्वालियर में दोस्त ने रकम डबल करने का दिया था भरोसा

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर में दोस्त पर भरोसा कर शेयर मार्केट में पैसा लगाना एक शख्स को भारी पड़ गया। परिचित ने एक साल में भारी मुनाफा दिलाने का लालच देकर 1.74 लाख रुपए से ज्यादा अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। एक साल पूरा होने पर फरियादी ने दोस्त से मुनाफे के साथ अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने यह कहकर इनकार कर दिया कि 'तुम्हारे शेयर तो डूब गए हैं'। घटना सितंबर 2025 से अक्टूबर 2026 के बीच मुरार के हाथीखाना रोड की है। धोखाधड़ी का अहसास होने पर पीड़ित ने मुरार थाने में शिकायत की। मुरार के चेतना स्कूल के पास हाथीखाना रोड निवासी फरियादी रामअवतार कुशवाहा (42) ने बताया कि दतिया निवासी और वर्तमान में बंशीपुरा, मुरार में रह रहा भगवानदास कुशवाहा उसका परिचित है। कुछ समय पहले भगवानदास ने उससे कहा कि शेयर मार्केट में रुपए लगाने से बहुत मुनाफा होता है। कई लोग वहां पैसे लगाकर लाखों रुपए कमा रहे हैं। उसने शेयर बाजार में रुपए लगवाकर एक साल के अंदर तगड़ा मुनाफा दिलाने का भरोसा दिया। रामअवतार ने कहा कि उसे शेयर बाजार का ज्ञान नहीं है, इसलिए वह भगवानदास पर भरोसा करके उसे ही पैसे दे देगा। भगवानदास ने उसे रुपए डबल करके देने का भरोसा दिया था। UPI से अलग-अलग खातों के जरिए 1.74 लाख रुपए ट्रांसफर कराए भगवानदास के झांसे में आकर रामअवतार ने सितंबर 2025 में अलग-अलग तारीखों पर अपने दोस्त गजराज कुशवाहा के पंजाब नेशनल बैंक खाते से PI के माध्यम से 1.74 लाख रुपए भगवानदास को ट्रांसफर करवाए।

सिगरेट-गुटखा देने से मना किया तो दुकानदार पर कट्टे से की गोलीबारी: भागकर बचाई जान

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर के घाटीगांव के जखा गांव में देर रात हुई घटना, दुकानदार से गाली-गलौज के बाद आरोपी ने किए दो से तीन हवाई फायर। पुलिस ने मुख्य आरोपी अजय चौहान को गिरफ्तार कर वारदात में इस्तेमाल अवैध कट्टा किया बरामद, अन्य आरोपियों की तलाश जारी। ग्वालियर। जिले के घाटीगांव क्षेत्र में देर रात सिगरेट और गुटखा नहीं देने की बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि कार सवार चार युवकों ने दुकानदार और उसके साथियों पर कट्टे से गोलीबारी कर दी। दुकान बंद होने की बात सुनकर नाराज हुए युवकों ने पहले दुकानदार के साथ गाली-गलौज की और फिर कट्टा निकालकर दो से तीन हवाई फायर कर दिए। अचानक हुई गोलीबारी से गांव में दहशत फैल गई।वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात करीब एक बजे घाटीगांव के जखा गांव में हुई। मामले की शिकायत मिलने पर घाटीगांव थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर एक-दूसरे के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू की। घर के बाहर अलाव ताप रहे थे दुकानदार और उसके साथी पुलिस के अनुसार जखा गांव निवासी पंजाब सिंह रावत ने शिकायत दर्ज कराई कि गुरुवार देर रात वह अपने घर के बाहर सुरेंद्र रावत और सिमरिया टांका निवासी इंदर बघेल के साथ अलाव ताप रहा था।

ग्वालियर में शादी का झांसा देकर महिला का शोषण

रिसेप्शन पार्टी के बाद भी नहीं की शादी, बेटी समेत शहर छोड़ने की दी धमकी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर के इंदरगंज थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर झारखंड की एक महिला का शारीरिक शोषण करने और बाद में उसे व उसकी 9 साल की बेटी को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। महिला की पहचान आरोपी से एक मेट्रीमोनियल वेबसाइट के जरिए हुई थी। युवक ने उससे शादी करने का भरोसा दिया और परिवार से मिलवाने के साथ दोस्तों व रिश्तेदारों के लिए रिसेप्शन पार्टी भी रखी। इसके बावजूद उसने शादी नहीं की और लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी ने उसे 10 दिन तक होटल में ठहराकर शारीरिक संबंध बनाए। बाद में किराए का मकान दिलाकर लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रहने लगा। शादी के लिए दबाव बनाने पर उसने महिला और उसकी बेटी को जान से मारने की धमकी दी। यह घटनाक्रम वर्ष 2024 से अक्टूबर 2026 के बीच का है। पीड़िता की शिकायत पर शुक्रवार को इंदरगंज थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। झारखंड की रहने वाली और वर्तमान में ग्वालियर के इंदरगंज क्षेत्र में रह रही 37 वर्षीय महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी पहली शादी वर्ष 2013 में झारखंड में हुई थी। बाद में उसका तलाक हो गया। उसकी 9 साल की एक बेटी भी है। मार्च 2024 में मेट्रीमोनियल वेबसाइट के जरिए उसकी पहचान ग्वालियर के शिंदे की छावनी निवासी रोहन वाल्टर से हुई। रोहन भी तलाकशुदा था। बातचीत के बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया। महिला के अनुसार, रोहन ने 9 अक्टूबर 2024 को उसे ग्वालियर बुलाया। अगले दिन शादी की बात करने के बहाने अपने घर ले गया और परिवार से मिलवाया। इसके बाद उसे एक होटल में ठहराया, जहां शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। कुछ दिन बाद महिला झारखंड लौट गई। सितंबर 2025 में वह अपनी बेटी के साथ ग्वालियर आ गई और किराए के मकान में रहने लगी। उसने 4 अक्टूबर 2025 को होटल में दोस्तों और रिश्तेदारों के लिए रिसेप्शन पार्टी भी रखी। इसके बावजूद उसने शादी नहीं की और लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हुए महिला का शारीरिक शोषण करता रहा।

अनुभवों के आधार पर हर परिस्थिति से निपटने की तैयारी रखी जाए

रतनगढ़ मेले में व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



दीपावली दौज के अवसर पर सुप्रसिद्ध रतनगढ़ माता मंदिर में आयोजित होने वाले विशाल मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले में ग्वालियर जिले की ओर से बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पिछले वर्षों के अनुभवों और संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस बार व्यवस्थाओं की योजना तैयार की जाए, ताकि श्रद्धालु मां रतनगढ़ और कुँअर बाबा के दर्शन सुविधाजनक तरीके से कर सकें और सकुशल अपने घर लौट सकें। इसी सिलसिले में शुक्रवार को रतनगढ़ मेला परिसर में तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्वालियर के प्रभारी कलेक्टर श्री सोजान सिंह रावत एवं प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्री श्रुतकीर्ति सोमवंशी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने संबंधित विभागों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने और सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण श्रीमती मनीषा कौल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। हर व्यवस्था पर रहेगी प्रशासन की नजर, लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त बैठक में प्रभारी कलेक्टर श्री सोजान सिंह रावत ने कहा कि रतनगढ़ माता मेले में ग्वालियर जिले की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। पूर्व के अनुभवों के आधार पर हर परिस्थिति से निपटने की तैयारी रखी जाए।

मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन करने, पार्किंग तक पहुंचने और वापस लौटने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक व्यवस्था को गंभीरता से लें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि मेले के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान किया जा सके। बेहट और डबरा-देवगढ़ मार्ग पर बनाई जाएंगी पर्याप्त पार्किंग मेले में ग्वालियर जिले की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग प्रशासन के सामने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। बैठक में निर्देश दिए गए कि बेहट एवं डबरा-देवगढ़ की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त संख्या में पार्किंग स्थल विकसित किए जाएं। पार्किंग की व्यवस्था इस तरह हो कि वाहनों को खड़ा करने के लिए श्रद्धालुओं को इधर-उधर भटकना न पड़े और आवागमन भी प्रभावित न हो।

प्रत्येक पार्किंग स्थल पर पर्याप्त रोशनी की

संक्षिप्त समाचार

10 रुपये के पैकेट से 5100 करोड़ की डील तक, ऐसे बना देसी चाइनीज का बड़ा ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में चाऊमीन, मंचूरियन और शेजवान जैसे चाइनीज व्यंजनों का स्वाद लोगों को हमेशा से पसंद रहा है। लेकिन 1990 के दशक में इन्हें घर पर बनाने के लिए जरूरी सॉस और मसाले आसानी से नहीं मिलते थे। अजय गुप्ता ने इसी कमी में कारोबार का मौका देखा। उन्होंने ऐसा ब्रांड बनाने का फैसला किया, जो भारतीयों को घर पर ही रेस्टोरेंट जैसा चाइनीज खाना तैयार करने में मदद कर सके। इसी सोच से चिंग्स



सीक्रेट की शुरुआत हुई। करीब तीन दशक बाद यह ब्रांड इतना बड़ा बन गया कि इसकी पैरेंट कंपनी कैपिटल फूड्स को टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने साल 2024 में 5,100 करोड़ रुपये में खरीद लिया। अजय गुप्ता ने 1995 में कैपिटल फूड्स की नींव रखी और 1996 में चिंग्स सीक्रेट ब्रांड बाजार में उतारा। शुरुआत सॉस से हुई। कंपनी ने सोया सॉस, रेड चिली सॉस और ग्रीन चिली सॉस जैसे उत्पाद पेश किए। उस समय इंस्टेंट नूडल्स के बाजार में मैगी जैसे ब्रांड की मजबूत पकड़ थी। ऐसे में चिंग्स सीक्रेट ने सीधे उसी मुकाबले में उतरने के बजाय चाइनीज खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री पर ध्यान दिया। धीरे-धीरे कंपनी ने हक्का नूडल्स, सूप, मसाले और दूसरी रेडी-टू-कुक चीजें भी अपने उत्पादों में शामिल कीं। इसके अलावा कंपनी ने स्मिथ एंड जोन्स नाम से दूसरा ब्रांड बनाया। इसके तहत अदरक-लहसुन का पेस्ट और पास्ता-पिज्जा जैसी डिश बनाने में काम आने वाले उत्पाद पेश किए गए। इस तरह कंपनी ने भारतीय रसोई के लिए अलग-अलग तरह की सामग्री का पूरा पोर्टफोलियो तैयार किया। चिंग्स सीक्रेट की रणनीति सिर्फ सॉस और नूडल्स बेचने तक सीमित नहीं थी। कंपनी ने भारतीय स्वाद के हिसाब से चाइनीज व्यंजनों को घरों तक पहुंचाने पर जोर दिया। भारत में चाइनीज खाना पहले से लोकप्रिय था, लेकिन घर पर उसका वैसा स्वाद तैयार करना आसान नहीं था। चिंग्स सीक्रेट ने इसी जरूरत को अपना कारोबारी आधार बनाया। कंपनी ने भारतीय और चाइनीज स्वाद के मेल को 'देसी चाइनीज' के रूप में पेश किया।

ट्रंप की हार से दौड़ पड़ा टायर कंपनी का शेयर, इंट्रा-डे में 6700 बढ़े भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिली करारी शिकस्त से अमेरिका के बाद अब भारतीय शेयर बाजार भी गदगद है। इस माहौल के बीच भारतीय शेयर बाजार में लिस्टेड टायर कंपनी स्क्रब्ब्ल लिमिटेड के शेयर ने भी निवेशकों को चौंका दिया। इंट्रा-डे के दौरान इस कंपनी के शेयर में 6 पर्सेंट का उछाल आया। कीमत के हिसाब से इस शेयर में इंट्रा-डे के दौरान 6700 रुपये से ज्यादा की तेजी आई। आइए जानते हैं कि आखिर कंपनी के शेयर में इतनी बड़ी तेजी की वजह क्या है बाजार के सबसे महंगे शेयर के तौर पर पहचान बनाने वाले स्क्रब्ब्ल लिमिटेड की बीएसई पर पिछली क्लोजिंग 1,17,961.35 रुपये पर हुई थी। वहीं, गुरुवार को इंट्रा-डे में यह शेयर 1,24,744.90 रुपये तक जा पहुंचा। यह पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 6700 रुपये से ज्यादा की बढ़त को दिखाता है। बीते साल नवंबर महीने में शेयर 1,59,799.95 रुपये के स्तर तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। शेयर के लो की बात करें तो 1,15,333.30 रुपये है। यह भाव बीते अक्टूबर महीने में ही रहा था। इस लिहाज से देखें तो शेयर रिकवरी मोड में आ गया है। सीऐट जैसी टायर निर्माता कंपनियों को सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक और पेट्रोलियम से जुड़े अन्य कच्चे माल की लागत कम होने से फायदा मिल सकता है।

संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स को बहुमत मिल गया है

अमेरिका में ट्रंप की हार से कच्चे तेल में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तगड़ा झटका लगा है और संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स को बहुमत मिल गया है। इससे ईरान युद्ध के खत्म होने की संभावना बढ़ गई है। इस कारण बुधवार को कच्चे तेल की कीमत में करीब 9 फीसदी गिरावट आई और यह दो महीने के लो पर चला गया। आज भी कच्चे तेल की कीमत में 1 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई और यह 94 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया। इस हफ्ते इसकी कीमत में करीब 16 फीसदी गिरावट आई है।

ब्रेंट क्रूड अभी 0.80 फीसदी गिरावट के साथ 93.86 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 1.36 फीसदी गिरावट के साथ 86.92 डॉलर पर आ गया। इंडियन बास्केट भी करीब 10 फीसदी की गिरावट के साथ 107 डॉलर पर आ गया। भारत के लिए यह अच्छी खबर है क्योंकि कच्चे तेल की कीमत में 1 डॉलर की गिरावट से उसका सालाना आयात बिल करीब 18,000 करोड़ रुपये कम हो जाता है। कच्चे तेल की कीमत पिछले कई महीनों से लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बनी हुई थी। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आपूर्ति प्रभावित होने से ऐसा हुआ था। लेकिन अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की बंपर जीत से ईरान युद्ध के खत्म होने की उम्मीद जगी है। इसी कारण कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। इस बीच गोल्डमैन सैश ने तेल की कीमतों को लेकर अपना अनुमान बढ़ा दिया है। उसका कहना है कि



अगर खाड़ी क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन 2025 के औसत से कम रहता है तो अगले साल इसकी कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर जा सकती है। इन्वेस्टमेंट बैंक का कहना है कि दिसंबर में ब्रेंट क्रूड की कीमत 105 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। गोल्डमैन सैश ने कहा कि अगर गल्फ इलाके में कच्चे तेल का उत्पादन 2025 के रोजाना 35 लाख बैरल के एवरेज से कम रहता है।

क्या है इंडियन बास्केट

इंडियन क्रूड बास्केट भारत द्वारा आयात किए जाने वाले कच्चे तेल ग्रेड का एक वेटेड एवरेज प्राइस है। यह भारतीय रिफाइनर्स द्वारा ग्लोबल मार्केट से खरीदे जाने वाले कच्चे तेल वास्तविक एवरेज कॉस्ट के लिए प्राइमरी बेंचमार्क है। इस बास्केट में हाई सल्फर वाले खराब और कम सल्फर वाले अच्छे ग्रेड के क्रूड शामिल हैं। खराब ग्रेड ओमान और दुबई क्रूड बेंचमार्क का एवरेज है। इसकी बास्केट में 75 से 79 फीसदी हिस्सेदारी है। इसकी वजह यह है कि भारतीय रिफाइनरीज हेवी, हाई सल्फर वाले मिडिल ईस्टर्न क्रूड को प्रोसेस करने के लिए बनाई गई हैं। बाकी 21 से 25 फीसदी हिस्सा स्वीट ग्रेड का है।

भारत का क्रूड इंपोर्ट

भारत अपना करीब 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है और यह देश में सबसे ज्यादा आयात की जाने वाली चीज है। पिछले कैलेंडर ईयर में भारत ने करीब 137 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया था। इस साल अप्रैल से सितंबर के दौरान भारत का क्रूड इंपोर्ट बिल 90.6 अरब डॉलर पहुंच गया जो पिछले साल समान अवधि में 61.9 अरब डॉलर था। अक्टूबर में भारत का क्रूड आयात रिकॉर्ड पर पहुंच गया था तो 2027 में यह 140 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है।

घरेलू बाजार में बेचीं 20224 गाड़ियां, रॉकेट सा उड़ा अशोक लीलैंड का शेयर, 2 बार बोनस शेयर बांट चुकी है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। कमर्शियल व्हीकल्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी अशोक लीलैंड के शेयरों में गजब की तेजी आई है। कंपनी के शेयर गुरुवार को बीएसई में 11 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 171.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस साल अक्टूबर में मजबूत घरेलू बिक्री के बाद अशोक लीलैंड के शेयरों में यह तेजी देखने को मिली है। अक्टूबर 2026 में अशोक लीलैंड की घरेलू बिक्री 20,224 यूनिट्स की रही है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले कंपनी की बिक्री 24 पर्सेंट बढ़ी है। पिछले साल अक्टूबर में अशोक लीलैंड की घरेलू बिक्री 16,314 यूनिट्स रही थी। मीडियम एंड हेवी कमर्शियल व्हीकल्स की मजबूत डिमांड की वजह से इस साल अक्टूबर में अशोक लीलैंड की डोमेस्टिक सेल्स में उछाल आया है। कमर्शियल व्हीकल्स बनाने वाली कंपनी अशोक लीलैंड की एक्सपोर्ट को मिलाकर टोटल सेल्स इस साल अक्टूबर में 21,888 यूनिट्स रही। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले एक्सपोर्ट को मिलाकर कंपनी की टोटल सेल्स 23 पर्सेंट बढ़ी। पिछले साल अक्टूबर में अशोक लीलैंड की एक्सपोर्ट समेत टोटल सेल्स 17,820 यूनिट्स थी। मीडियम एंड हेवी कमर्शियल व्हीकल्स सेगमेंट में डोमेस्टिक ट्रक सेल्स इस साल अक्टूबर में 39 पर्सेंट बढ़कर 11,102 यूनिट्स रही, जो कि पिछले साल अक्टूबर में 7,972 यूनिट्स थी। हालांकि, घरेलू मार्केट में बसों की बिक्री इस साल अक्टूबर में 6 पर्सेंट घटकर 1,544 यूनिट रही है। पिछले साल अक्टूबर में कंपनी ने घरेलू बाजार में 1,639 बसें बेची थीं।

डोनाल्ड ट्रंप की ताकत घटी तो भारत को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने कांग्रेस के दोनों सदनों पर कब्जा कर लिया है। 4 नवंबर को आए नतीजे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए बड़ा झटका माने जा रहे हैं। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यह पहला मौका है, जब डेमोक्रेट्स को कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत मिला है। इस चुनाव में



महंगाई, कमजोर अर्थव्यवस्था, ईरान के साथ युद्ध और सरकार में भ्रष्टाचार को लेकर लोगों की नाराजगी का असर दिखाई दिया। चुनाव नतीजों पर भारत की भी नजर थी, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में अमेरिका की व्यापार नीतियों और ट्रंप के फैसलों का भारतीय निर्यात पर सीधा असर पड़ा है। डेमोक्रेट्स की जीत से भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत में कुछ राहत मिल सकती है। ट्रंप पर अब कांग्रेस की निगरानी बढ़ेगी, जिससे टैरिफ और इमिग्रेशन जैसे मुद्दों पर उनके लिए मनमाने फैसले लेना आसान नहीं होगा। हालांकि, इससे भारत-अमेरिका के रिश्तों में तुरंत सुधार की गारंटी नहीं है। काफी कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि डेमोक्रेट्स के नियंत्रण वाली कांग्रेस ट्रंप के फैसलों पर कितना अंकुश लगा पाती है। इसका असर ईरान युद्ध, व्यापार, टैरिफ और विदेश नीति पर भी पड़ सकता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर कई महीनों से बातचीत चल रही है।

भारत के लिए फायदेमंद हो सकती है ट्रंप की करारी हार, अमेरिका है भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट बाजार



नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। जानकारों का कहना है कि यह भारत के लिए अच्छी खबर है। जानकारों का कहना है कि इससे ट्रेड डील को लेकर अमेरिका के साथ चल रही बातचीत में भारत पर दबाव कम होगा। भारत को अमेरिका के राजनीतिक पटल पर हुए इस बदलाव का फायदा उठाते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते में सभी संवेदनशील मुद्दे सही तरीके से एड्रेस हों। जानकारों के मुताबिक अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का बहुमत होने से ट्रंप को अगले दो साल मुश्किल हो सकती है। इससे टैरिफ और मार्केट एक्सेस पर ज्यादा क्लेरिटी आ सकती है और अमेरिका को भारत का एक्सपोर्ट बढ़ सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। साथ ही उसके साथ हम ट्रेड सरप्लस की स्थिति में हैं।

अमेरिका के साथ ट्रेड

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन के डायरेक्टर जनरल अजय सहाय ने कहा कि भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए सबसे बड़ी बात यह होगी कि आने वाले दिनों में टैरिफ और मार्केट एक्सेस पर अमेरिकी की पॉलिसी क्या रहती है। इस फाइनेंशियल ईयर की पहली छमाही में भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट 11 फीसदी बढ़कर 50.8 अरब पहुंच गया।

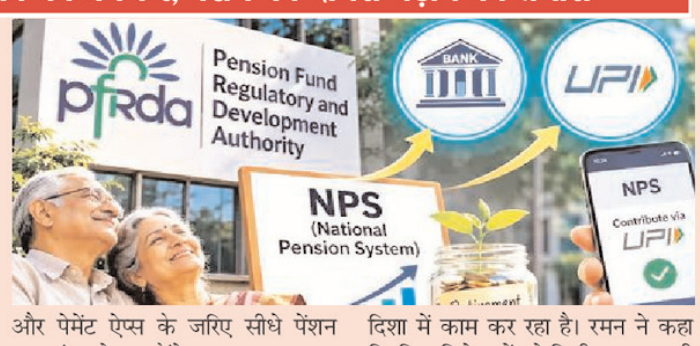
बदल गया समीकरण

जाने माने ट्रेड एक्सपर्ट बिश्वजीत धर ने कहा कि अमेरिका के मध्यावधि चुनावों ने समीकरण पूरी तरह बदल दिया है। राष्ट्रपति की पावर कम हो जाएगी क्योंकि कांग्रेस उन्हें फ्री हैंड नहीं देगी। उन्होंने कहा कि इन चुनावों के बाद बातचीत की मेज पर भारत का पलड़ा भारी हो गया है। इससे सरकार पर दबाव कम होगा और भारत को इस बदली हुई परिस्थिति का फायदा उठाते हुए एक संतुलित डील करनी चाहिए। हालांकि बैंक ऑफ बड़ौदा में चीफ इकनॉमिस्ट मदन सबनवीस ने कहा कि चुनाव परिणामों से अमेरिका के ट्रेड पैक्स में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि डील के मौजूदा प्रावधान यथावत रहेंगे लेकिन टैरिफ की समीक्षा हो सकती है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका के लोग हायर टैरिफ को महंगाई के लिए जिम्मेदार मानते हैं। इससे भारत समेत कई देशों को फायदा हो सकता है।
अमेरिका के मध्यावधि चुनावों ने समीकरण पूरी तरह बदल दिया है।

यूपीआई के जरिए खोल सकेंगे एनपीएस खाता

नहीं लगाना होगा बैंकों का चक्कर, पेंशन का दायरा बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन रेगुलेटर बैंकों के नेटवर्क का फायदा उठाकर और इसे सिस्टम से जोड़कर नैशनल पेंशन सिस्टम के तेजी से विस्तार की तैयारी में है। इसका मकसद 2040 तक पेंशन फंड को बढ़ाकर करीब 100 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। यह जानकारी रेगुलेटर के चेयरमैन एस. रमन ने बुधवार को दी। मुंबई में 'तत्काल एडवांसिंग डिजिटल पेंशन इंक्लूजन' कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रमन ने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के जरिए खाते खोलने की प्रक्रिया को बहुत आसान बनाने पर काम कर रहा है। इससे ग्राहक बैंकों के ज्यादा चक्कर काटे बिना, अपनी मौजूदा डिजिटल बैंकिंग



और पेमेंट ऐप्स के जरिए सीधे पेंशन अकाउंट खोल सकेंगे।

पेंशन का दायरा बढ़ाना जरूरी

निवेश के मोर्चे पर ग्राहकों के लिए अलग-अलग तरह की स्कीम्स और असेट एलोकेशन के विकल्प लाने की दिशा में काम कर रहा है। रमन ने कहा कि जिन निवेशकों को वित्तीय बाजार की अच्छी समझ है और जो जोखिम उठा सकते हैं, उन्हें इक्विटी में ज्यादा पैसा लगाने का विकल्प मिलना चाहिए। इसमें इक्विटी स्कीम्स में 100 फीसदी तक पैसा लगाने का विकल्प भी शामिल हो सकता है। रेगुलेटर पेंशन के पैसों को ज्यादा रिटर्न देने वाले असेट्स में लगाने की तैयारी में भी है। एस. रमन ने बताया कि रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट में पहले से हो रहे निवेश के अलावा अब अनलिस्टेड कंपनियों के शेयर, प्रोजेक्ट फाइनेंसिंग और नए-पुराने इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में भी निवेश बढ़ाने पर विचार कर रहा है। रमन ने कहा कि पेंशन का दायरा बढ़ाना बेहद जरूरी है, ताकि रिटायरमेंट के बाद लोगों के पास अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पैसा हो। 18 से 70 वर्ष की आयु का कोई भी भारतीय नागरिक इसमें शामिल हो सकता है। इसमें कितनी तरह के अकाउंट होते हैं इसमें दो तरह के खाते टियर-1 और टियर-2 होते हैं।

1 दिसंबर से बदलेंगे एनपीएस के के नियम

नैशनल पेंशन सिस्टम की स्कीम्स को देखने और चुनने का अंदाज बदलने वाला है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नैशनल पेंशन सिस्टम के तहत आने वाली स्कीम्स के क्लासिफिकेशन और उनके प्रदर्शन से जुड़े नियमों में संशोधन किया है। इन नए बदलावों में साफ किया गया है कि पेंशन फंड की स्कीम्स (यानी मल्टीपल स्कीम फ्रेमवर्क - रूरूस्र स्कीम्स) के नाम कैसे रखे जाएंगे और अकाउंट खोलने के लिए सब्सक्राइबर्स द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वेबसाइटों व प्लैटफॉर्मों पर उन्हें किस तरह दिखाया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में 35 हजार करोड़ के पुराने निवेश के बाद अब सज्जन जिंदल की सीएम से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने बुधवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात की। राज्य सचिवालय नबन्ना में हुई इस बैठक में बंगाल में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, बातचीत बिजली, पावर सिस्टम, बंदरगाह, सीमेंट और स्टील जैसे क्षेत्रों में निवेश को लेकर हुई। हालांकि, कंपनी की ओर से निवेश की रकम या किसी खास प्रोजेक्ट की जानकारी नहीं दी गई है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पद संभालने के बाद सज्जन जिंदल के साथ यह उनकी पहली मुलाकात है। इस बैठक को ऐसे समय में अहम माना जा रहा है, जब राज्य में औद्योगिक निवेश बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

पहले कितने निवेश का समझौता

जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने साल 2007 में पश्चिम बंगाल की तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के साथ एक बड़ा समझौता किया था। इसके तहत कंपनी को



पश्चिम मिदनापुर के सालबोनी में स्टील, बिजली और सीमेंट का एक बड़ा औद्योगिक परिसर बनाना था। इस प्रोजेक्ट में करीब 35 हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव था।

उस समय यह पश्चिम बंगाल में किसी निजी कंपनी की ओर से घोषित सबसे बड़ा निवेश था। तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की सरकार राज्य में उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही थी। इस परियोजना को भी उसी औद्योगिक विकास योजना का अहम हिस्सा माना गया था। समूह का कारोबार करीब 23 से 25 अरब डॉलर का बताया जाता है। इसकी मौजूदगी भारत के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी है। जेएसडब्ल्यू स्टील ग्रुप की प्रमुख कंपनी है और भारत की बड़ी स्टील निर्माता कंपनियों में शामिल है। कंपनी स्टील उत्पादन और अपनी क्षमता बढ़ाने से जुड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रही है।

सालबोनी प्रोजेक्ट में आईं कई बाधाएं

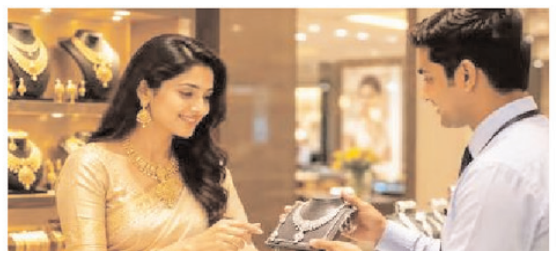
सालबोनी की यह बड़ी परियोजना कई मुश्किलों में फंस गई। नवंबर 2008 में परियोजना के उद्घाटन के कुछ समय बाद सालबोनी-मेदिनीपुर सड़क पर कलाईचंडी के पास बारूदी सुरंग से विस्फोट हुआ था। उस समय पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य, केंद्रीय इस्पात मंत्री रामविलास पासवान और सज्जन जिंदल के काफिले वहां से गुजर चुके थे। इस घटना के बाद परियोजना को लेकर सुरक्षा और दूसरी चुनौतियां सामने आईं। नतीजतन, 2007 में घोषित यह महत्वाकांक्षी योजना लंबे समय तक औद्योगिक चर्चा का विषय बनी रही। अब सज्जन जिंदल और मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की मुलाकात से बंगाल में ग्रुप के नए निवेश की संभावनाओं पर फिर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, किसी नए निवेश या परियोजना को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। जेएसडब्ल्यू ग्रुप भारत का एक बड़ा औद्योगिक समूह है। इसका मुख्यालय मुंबई, महाराष्ट्र में है। सज्जन जिंदल की अगुवाई वाला यह समूह स्टील, बिजली, इंफ्रास्ट्रक्चर, सीमेंट, पेंट और ऑटोमोबाइल जैसे कई क्षेत्रों में कारोबार करता है।

पिछली तीन दिवाली, सोने के तीन भाव... 80 हजार से 1.30 लाख और अब 1.42 लाख रुपये के पार पहुंची कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत में बुधवार को पंख लग गए। अमेरिका में हुए मिड टर्म चुनाव के नतीजे आने के बाद बुधवार को सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी आई। ऐसे में यह उन निवेशकों को लिए बड़ा संकेत है, जो सोने में तेजी का इंतजार कर रहे थे। हालांकि धनतेरस और दिवाली पर सस्ते सोने का इंतजार करने वालों को कुछ निराशा हो सकती है। लेकिन यह तेजी उन निवेशकों के लिए भी अच्छा संकेत है।

साल 2025 में कितना मुनाफा

पिछले दो साल में दिवाली पर सोने की कीमत में बड़ा अंतर दिखाई दिया है। साल 2024 में दिवाली पर 10 ग्राम सोने का भाव करीब 80 हजार रुपये था। अगले साल यानी 2025 में इसकी कीमत करीब 1.30 लाख रुपये हो गई। यानी निवेशकों को एक साल में 10 ग्राम सोने के निवेश पर करीब 62 फीसदी यानी 50 हजार रुपये का मुनाफा हुआ।



इस साल कितने मुनाफे की उम्मीद

इस साल शुरुआत में सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम करीब 1.80 लाख रुपये थी। हालांकि बाद में इसमें बड़ी गिरावट आई। आज बुधवार को शाम 7:30 बजे एमसीएक्स पर सोने का भाव 1.42 लाख रुपये से कुछ ऊपर था। दिवाली आने में अभी कुछ दिन बाकी हैं। ऐसे में अगर सोने की कीमत 1.42 के आसपास भी रहती है, तो पिछली दिवाली के मुकाबले इस बार निवेशकों को प्रति 10 ग्राम सोने पर करीब 12 हजार रुपये का मुनाफा होगा। यानी इस बार मुनाफा 10 फीसदी से भी कम रह सकता है। सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल आया। त्योहारी मांग बढ़ने और वैश्विक बाजारों में कीमतों में तेज सुधार के बीच सोना 4,800 रुपये बढ़कर 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत स्वामित्व दस्तावेजों के पंजीयन अभियान में हुए शामिल

किसानों और ग्रामवासियों को उनकी सम्पत्ति का पूरा अधिकार दिया जा रहा है : मुख्यमंत्री

एक सत बुलेटिन, मुरैना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजादी के बाद संपत्तियों की पक्की रजिस्ट्री का कार्य काफी चुनौतीपूर्ण था। गांव में अपनी जमीन पर लाखों रुपए खर्च कर पक्का मकान बनाने के बाद भी उस संपत्ति का कोई रजिस्टर्ड दस्तावेज नहीं होता था। बैंक भी उस संपत्ति पर कोई ऋण नहीं देते थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ग्रामीण आबादी को पट्टे दिए। अब राज्य सरकार ने संपत्तियों की पक्की रजिस्ट्री कराने का अभियान शुरू किया है। जिला प्रशासन के सभी अधिकारी, तहसीलदार-पटवारी मिलकर ग्रामवासियों को दीपावली पर निरूशुल्क रजिस्ट्री के जरिए खुशियां बांट रहे हैं। मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत किसानों और ग्रामवासियों को उनकी संपत्ति का पूरा अधिकार दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना में प्रदेशभर में 50 लाख निरूशुल्क रजिस्ट्री कराने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना जिले के ग्राम करुआ में प्राथमिक स्कूल का उन्नयन कर इसे माध्यमिक स्कूल करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धनतेरस के शुभ अवसर पर मुरैना जिले के ग्राम करुआ में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना अंतर्गत आयोजित स्वामित्व दस्तावेजों के



पंजीयन अभियान कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया तथा रिमोट का बटन दबाकर मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना की शुरुआत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद योजना के हितग्राहियों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब बच्चे पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर बनेंगे और अपना नर्सिंग होम या अस्पताल खोलना चाहेंगे अथवा कोई अन्य व्यवसाय शुरू करना चाहेंगे, तब बैंक से ऋण लेने के लिए उन्हें रजिस्ट्री के दस्तावेज भी उपलब्ध होने चाहिए। इससे उन्हें आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत जिन गांवों में 80 से 100 प्रतिशत तक रजिस्ट्रियां पूरी हो चुकी हैं, ऐसे गांवों में मंत्री, विधायक और वरिष्ठ अधिकारी पहुंचकर धनतेरस पर हितग्राहियों को दस्तावेज बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान लगातार चलता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ रजिस्ट्री अभियान में जुटे पटवारियों, तहसीलदारों और अन्य अधिकारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान कल्याण वर्ष मना रही है। पूरे वर्ष किसानों की बेहतरी और आमदनी बढ़ाने के लिए काम करना हमारा उद्देश्य है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। अगर कोई किसान 25 गाय या भैंस खरीदने के लिए बैंक से ऋण लेता है और इस पर लगभग 40 लाख रुपए खर्च होते हैं और इस पर 10 लाख रुपए का अनुदान सरकार दे रही है।

किसान दूध का उत्पादन करें और सहकारी समिति या अन्य माध्यमों से बेचें। हमारा प्रयास है कि खेती के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन से भी किसानों की आमदनी बढ़े और वे आर्थिक रूप से समृद्ध बनें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया जा रहा है। किसानों को सिंचाई के लिए दिन में भी बिजली मिल रही है। अब दूर-दराज के ग्रामीण परिवारों को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार दीपावली और उसके बाद गोवर्धन पूजा को भी धूमधाम से मनाने जा रही है। राज्य के सभी विकासखंडों में एक गांव को वृंदावन ग्राम बनाया गया है। किसान और पशुपालकों को उन्नत नस्ल की गौमाता उपलब्ध कराई जा रही हैं। अच्छी गौमाता पालने वाले गौपालकों को पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं।

दीपावली पर यात्री बसों में निर्धारित किराये से अधिक वसूली पर होगी सख्त कार्रवाई



एक सत बुलेटिन, मुरैना

दीपावली पर यात्री बसों में निर्धारित किराये से अधिक वसूली और ओवरलोडिंग पर होगी सख्त कार्रवाई पावली पर्व के दौरान यात्री बसों में सफर करने वाले यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मुरैना द्वारा जिले के समस्त यात्री बस संचालकों एवं वाहन स्वामियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार यात्री बस संचालकों को यात्रियों से परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित किराया ही वसूल करना होगा। किसी भी स्थिति में निर्धारित किराये से अधिक राशि वसूलने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही, बसों में यात्रियों का परिवहन वाहन के पंजीयन प्रमाण-पत्र में दर्ज बैठक क्षमता के अनुरूप ही किया जाना अनिवार्य किया गया है। निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाकर परिवहन करना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि दीपावली के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या का अनुचित लाभ उठाकर मनमाना किराया वसूलने अथवा बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित बस संचालक एवं वाहन स्वामी के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के तहत सख्त दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। गंभीर अनियमितता पाए जाने पर संबंधित वाहन को जप्त करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। इसके अतिरिक्त वाहन चालक एवं परिचालक के ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन अथवा निरस्तीकरण की कार्रवाई भी की जा सकती है।

पहाड़गढ़ वन क्षेत्र में वरिष्ठ वन अधिकारियों ने लिया चीता सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा



एक सत बुलेटिन, मुरैना

चीता परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा वन्यप्राणियों की सुरक्षा एवं सतत निगरानी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ वन अधिकारियों द्वारा गुरुवार को पहाड़गढ़ वन क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा एवं प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। भ्रमण के दौरान अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) भोपाल श्री एल. कृष्णमूर्ति, फील्ड डायरेक्टर चीता परियोजना श्री उत्तम शर्मा, मुख्य वन संरक्षक ग्वालियर श्री लवित भारती, मुख्य वन संरक्षक शिवपुरी श्री आदर्श श्रीवास्तव, वनमंडलाधिकारी मुरैना श्री एच.सी. बघेल, उपवनमंडलाधिकारी सबलगढ़ श्री कुलदीप राजोदिया एवं उपवनमंडलाधिकारी कूनो श्री राजेश मंडावलिया ने पहाड़गढ़ वन क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र में संचालित चीता पेट्रोलिंग कैंपों का निरीक्षण कर सुरक्षा, गश्ती एवं निगरानी व्यवस्थाओं की स्थिति का अवलोकन किया। इसके पश्चात वन चौकी पहाड़गढ़ में मैदानी वन अमले के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें चीता परियोजना के आगामी कार्यों, सुरक्षा प्रबंधन, निगरानी व्यवस्था तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में अधिकारियों ने मैदानी वन अमले से क्षेत्र में नियमित गश्ती, चीतों की गतिविधियों की ट्रैकिंग, अन्य वन्यप्राणियों की गतिविधियों तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि वन क्षेत्र में नियमित एवं प्रभावी गश्ती सुनिश्चित की जाए तथा चीतों सहित अन्य वन्यप्राणियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए। साथ ही निगरानी तंत्र को और मजबूत बनाने, किसी भी असामान्य गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने तथा मैदानी स्तर पर बेहतर आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि चीता परियोजना की सफलता तथा वन्यप्राणी संरक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति में मैदानी वन अमले की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी सजगता, सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि वन्यप्राणियों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए की जा रही व्यवस्थाएं प्रभावी बनी रहें। इस अवसर पर वन परिक्षेत्राधिकारी पहाड़गढ़ श्रीमती हिना खान, वन परिक्षेत्राधिकारी विजयपुर श्री पवन जगनेरी सहित संबंधित मैदानी वन अमला उपस्थित रहा।

पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2026-27 के ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ

दतिया ! पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। योजना के अंतर्गत आवेदन नवीन पोर्टल उचवउण्उचण्हवअण्पद के माध्यम से किए जा सकते हैं। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं पात्र हितग्राहियों तक जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से विभाग द्वारा स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। जिले के ऐसे पात्र विद्यार्थी, जो पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं, वे नवीन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के संबंध में अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन हेतु विभागीय पोर्टल उचवउण्उचण्हवअण्पद पर संपर्क किया जा सकता है। योजना का उद्देश्य- विदेश में उच्च शिक्षा एवं शोध करने वाले पात्र अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना। यह योजना अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में चयनित विषयों में स्नातकोत्तर, पीएच.डी. तथा पोस्ट-डॉक्टोरल अध्ययन करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

धान एवं बाजरा खरीदी की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कलेक्टर पवन कुमार, पुलिस अधीक्षक एवं सीईओ जिला पंचायत ने नवीन कृषि उपज मंडी का किया निरीक्षण

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक श्री सूरज कुमार वर्मा एवं सीईओ जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान ने नवीन कृषि उपज मंडी भिण्ड पहुंचकर धान एवं बाजरा की खरीदी प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से मंडी में आने, टोकन, तौल, नमी जांच, भुगतान एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में बातचीत की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी रहे और किसानों को उनके उपज का उचित मूल्य समय पर मिले। पुलिस अधीक्षक ने मंडी परिसर में व्यवस्था, पार्किंग एवं सुरक्षा का भी निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों को बताया कि धान एवं बाजरा की खरीदी के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें और निर्धारित समय में मंडी पहुंचें। खरीदी केंद्रों पर नमूना जांच, वजन एवं



भुगतान की व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिए गए। किसानों ने प्रशासनिक अधिकारियों के मंडी पहुंचने और व्यवस्थाओं की समीक्षा करने से संतुष्टि जताई। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि खरीदी सीजन के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी और शिकायत की स्थिति में तत्काल समाधान किया जाएगा।

जिला दण्डाधिकारी भिण्ड ने रतनगढ़ मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए भारी वाहनों पर लगाई रोक

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

जिला दण्डाधिकारी भिण्ड श्री पवन जैन ने रतनगढ़ जिला दतिया में आयोजित दीपावली दौज मेले पर श्रद्धालुगण आदि की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए मोटरयान अधिनियम 1998 की धारा 115 के अंतर्गत सार्वजनिक सुरक्षा या सुविधा की दृष्टि से लहार से सेवढ़ा मार्ग, मौ से सेवढ़ा मार्ग एवं मौ से बेहट मार्ग, आलमपुर से भगवापुरा मार्ग तथा मेहगांव से मौ-रतनगढ़ मार्ग पर भारी वाहन/बड़े वाहन (डम्पर, ट्रक, भारी माल वाहन, जो रेत, गिट्टी या अन्य भारी सामग्री से भरे हुए होते हैं) एवं डबल ट्रेक्टर-ट्रॉली (एक ट्रेक्टर से दो



ट्रॉलियां जोड़कर) के आवागमन को दिनांक 08 नवम्बर 2026 दोपहर 12.00 बजे से 12 नवम्बर 2026 दोपहर 12.00 बजे तक के लिये निर्बन्धित किया है। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला दतिया के पत्र दिनांक 27 अक्टूबर 2026 द्वारा अवगत कराया गया है कि माता रतनगढ़ मंदिर जिला दतिया पर दिनांक 09 नवंबर से 11 नवंबर 2026 तक दीपावली की दौज पर विशाल मेला आयोजित किया जायेगा। उक्त आयोजित मेले में 20 से 25 लाख की संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटकों का आगमन होता है।

पहाड़गढ़ वन क्षेत्र में वरिष्ठ वन अधिकारियों ने लिया चीता सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा

मुरैना, चीता परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा वन्यप्राणियों की सुरक्षा एवं सतत निगरानी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ वन अधिकारियों द्वारा गुरुवार को पहाड़गढ़ वन क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा एवं प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। भ्रमण के दौरान अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) भोपाल श्री एल. कृष्णमूर्ति, फील्ड डायरेक्टर चीता परियोजना श्री उत्तम शर्मा, मुख्य वन संरक्षक ग्वालियर श्री लवित भारती, मुख्य वन संरक्षक शिवपुरी श्री आदर्श श्रीवास्तव, वनमंडलाधिकारी मुरैना श्री एच.सी. बघेल, उपवनमंडलाधिकारी सबलगढ़ श्री कुलदीप राजोदिया एवं उपवनमंडलाधिकारी कूनो श्री राजेश मंडावलिया ने पहाड़गढ़ वन क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र में संचालित चीता पेट्रोलिंग कैंपों का निरीक्षण कर सुरक्षा, गश्ती एवं निगरानी व्यवस्थाओं की स्थिति का अवलोकन किया। इसके पश्चात वन चौकी पहाड़गढ़ में मैदानी वन अमले के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें चीता परियोजना के आगामी कार्यों, सुरक्षा प्रबंधन, निगरानी व्यवस्था तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में अधिकारियों ने मैदानी वन अमले से क्षेत्र में नियमित गश्ती, चीतों की गतिविधियों की ट्रैकिंग, अन्य वन्यप्राणियों की गतिविधियों तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि वन क्षेत्र में नियमित एवं प्रभावी गश्ती सुनिश्चित की जाए तथा चीतों सहित अन्य वन्यप्राणियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए। मैदानी स्तर पर बेहतर आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया।

रतनगढ़ माता मंदिर क्षेत्र एवं मेला परिसर में कानून व्वयस्था बनाये रखने के हेतु लगाई ड्यूटी

रतनगढ़ माता मंदिर मेले में चप्पे-चप्पे पर रहेगी प्रशासन की नजर, बनाए गए सेक्टर

एक सत बुलेटिन, दतिया

जिला मजिस्ट्रेट श्री स्वप्निल वानखड़े द्वारा आदेश जारी कर माता रतनगढ़ मंदिर क्षेत्र एवं मेला परिसर में कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु अतिरिक्त सहायक मेला प्रभारी अधिकारी, सेक्टर प्रभारी एवं सहायक सेक्टर प्रभारी की ड्यूटी लगाई है। जारी आदेशानुसार जिन अधिकारियों की विभिन्न सेक्टरों में ड्यूटी लगाई है उनमें सेक्टर माता मंदिर गर्भगृह एवं माता मंदिर के पीछे का परिसर में हरनोद शर्मा प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी,श्री आशीष यादव अनुविभागीय अधिकारी सेक्टर प्रभारी, विजय पंडोरिया सीडीपीओ, रामकुमार गौतम सीडीपीओ, राजेन्द्र गुर्जर सीडीपीओ सहायक सेक्टर प्रभारी, माता मंदिर के सामने का परिसर एवं सीढ़ियों का परिसर से मिलान (टी) अरविन्द कुमार प्रभारी जिला संयोजक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण सेक्टर प्रभारी, लक्ष्मण सिंह कुशवाह, बेताल सिंह पाल, दीपचन्द्र साहू, श्री बृजमोहन रावत, नरेन्द्र दीक्षित सचिव सहायक सेक्टर प्रभारी, सेक्टर कुंवर बाबा मंदिर परिसर भानू खरे प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सेक्टर प्रभारी, राजकुमार अहिरवार, विवेक त्रिपाठी पीसीओ, अखिलेन्द्र साहू उपयंत्री सहायक सेक्टर प्रभारी, सेक्टर कुंवर बाबा मंदिर के सामने से नवीन सीढ़ियों के प्रारंभ से रैंप एवं मध्य भाग तक मोहन सिंह दांगी सहायक आयुक्त सहकारिता सेक्टर प्रभारी, सुनील परिहार, सुनील परिहार, उदित भारद्धाज एडीईओ, बृजमोहन यादव प्रभारी खण्ड़ पंचायत अधिकारी सहायक सेक्टर प्रभारी रहेंगे। इसी प्रकार नवीन



सीढ़ियों के मध्य भाग वाले क्षेत्र तक मुनेन्द्र शेजवार जन अभियान परिषद सेक्टर प्रभारी, भूपेन्द्र पांचाल राजस्व निरीक्षक, अभिषेक शर्मा, तुलसीराम कुशवाह पटवारी सहायक सेक्टर अधिकारी, माता मंदिर से कुवंर बाबा मंदिर जाने वाला रास्ता एवं कुंवर बाबा मंदिर से माता मंदिर की ओर जाने वाला रास्ता के लिए श्री अभिनीत शर्मा कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड सेक्टर प्रभारी, श्री शुभार्थ सिंह चौहान उपयंत्री, श्री एसके श्रीवास्तव कृ.वि.अधि., श्री प्रहलाद माहौर एडीईओ सहायक सेक्टर प्रभारी, विंध्यपर्व स्थित दोनो मंदिरो का परिसर ऊपर ज्वारे चबूतरा एवं ऊपर का सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए श्री नरेन्द्र सिंह परमकार जिला विपणन अधिकारी सेक्टर प्रभारी, श्री देशराज सिंह सेमिल कृषि विकास अधिकारी, श्री चिमनलाल अहिरवार सचिव, श्री लटूरी सिंह दण्डौतिया कृषि विकास अधिकारी सहायक सेक्टर प्रभारी रहेंगे। सेक्टर कुंवर बाबा मंदिर के पीछे से ग्वालियर की ओर वापिसी वाला आगम-निर्गम रास्ता मेला दुकाने एवं जिग-जैग क्षेत्र में श्री यूके शर्मा प्रभारी अनुविभाग अधिकारी सिंचाई सेक्टर प्रभारी, श्री जितेन्द्र पुरोहित पीसीओ, श्री गौरव कुशवाहा एडीईओ, श्री रूपेन्द्र सिंह बुन्देला सचिव सहायक सेक्टर प्रभारी, कुंवर बाबा जवारे विसर्जन स्थल से कैरोंखाद के पुल के पूर्व तक श्री अंकुर श्रीवास्तव कार्यपालन यंत्री सेक्टर प्रभारी श्री अनिल शुक्ला प्रभारी सहायक यंत्री श्री अमृतलाल राजपूत प्रभारी सहायक यंत्री श्री राजन भारती उपयंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहायक सेक्टर प्रभारी, सेक्टर माता मंदिर के नीचे सीढ़ियों का मुख्य प्रवेश द्वार, बेरीकेटिंग क्षेत्र एवं जिग-जैग स्थल चढ़ने वाली सम्पूर्ण सीढ़ी क्षेत्र के लिए डॉ. रामनरेश तोमर उप संचालक सेक्टर प्रभारी, श्री अभिषेक श्रीवास्तव, श्री मनोज दिनकर, श्रीमती ध्वनि भदौरिया आबकारी उपनिरीक्षक सहायक सेक्टर प्रभारी रहेंगी।

अपर हेडिंगः धनतेरस पर मुख्यमंत्री यादव ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

गरीब के जीवन में सुख का सवेरा लाएं, ईश्वर से यही कामना हैः मुख्यमंत्री मोहन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धनतेरस के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि हमारी प्रार्थना है कि हम सब परमात्मा की कृपा, अपने सामर्थ्य और समृद्धि से गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में भी सुख का सवेरा ला सकें। सभी के काम आएं और समाज में 'जियो और जीने दो' का भाव मजबूत हो। उन्होंने कहा कि ईश्वर से यही कामना है कि हर व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को दीपोत्सव के शुभारंभ और सुख-समृद्धि के पर्व धनतेरस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मंदिर में विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इस दौरान उन्होंने भगवान धन्वंतरि और भगवान कुबेर से प्रदेशवासियों के जीवन में वैभव, आरोग्यता और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने उज्जैन स्थित महर्षि



सांदीपनि आश्रम के प्राचीन कुंडेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान भगवान कुबेर का स्मरण करते हुए सभी के कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया के माध्यम से प्रदेश के सभी नागरिकों को धनतेरस और दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि धनतेरस का पर्व सुख, समृद्धि और आरोग्यता का प्रतीक है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना की जाती है और इसी के साथ दीपावली के पांच दिवसीय पर्व का शुभारंभ होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में त्योहार केवल धार्मिक परंपराओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये समाज में प्रेम, सद्भाव, सहयोग और एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता का भाव भी मजबूत करते हैं। धनतेरस का अवसर हमें अपने जीवन में सुख-समृद्धि के साथ दूसरों के कल्याण के लिए भी प्रयास करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की वास्तविक समृद्धि तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। हम अपनी क्षमता और संसाधनों का उपयोग इस तरह करें कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में भी खुशियां आएं। उन्होंने कहा कि समाज में परस्पर सहयोग और सेवा की भावना बनी रहनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दूसरों की मदद करनी चाहिए। त्योहारों की खुशियां तभी पूरी होती हैं, जब समाज का हर वर्ग उनमें सहभागी बने और किसी के जीवन में अभाव तथा निराशा न रहे।

दिवाली पर मोहन सरकार का होमगार्ड सैनिकों को बड़ा तोहफा

लंबे समय से दूसरे जिलों में सेवाएं दे रहे जवानों को मिलेगी राहत, ऑनलाइन आवेदन के जरिए कर सकेंगे अनुरोध

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने दिवाली के अवसर पर होमगार्ड सैनिकों को बड़ी सौगात दी है। राज्य शासन ने सिंहस्थ-2016 भर्ती के बाद वर्ष 2018 की विशेष भर्ती के माध्यम से नामांकित 2,790 होमगार्ड सैनिकों को उनके प्रथम नामांकित जिले में पदस्थापना प्राप्त करने के लिए एक बार की विशेष छूट देने का निर्णय लिया है। सरकार के इस फैसले से लंबे समय से अपने गृह जिले और परिवार से दूर दूसरे जिलों में सेवाएं दे रहे होमगार्ड सैनिकों को बड़ी राहत मिलेगी। अब पात्र सैनिक निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन आवेदन कर अपने प्रथम नामांकित जिले में पदस्थापना के लिए अनुरोध कर सकेंगे। राज्य शासन का यह निर्णय होमगार्ड सैनिकों के कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिवाली के अवसर पर मिली इस राहत से न केवल सैनिकों को अपने परिवार के करीब रहने का अवसर मिलेगा, बल्कि उनके पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन में भी आसानी होगी। सरकार के फैसले पर होमगार्ड संगठन और सैनिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस संबंध में डीजी होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि सिंहस्थ-2016 भर्ती के उपरांत वर्ष 2018 की विशेष भर्ती से नामांकित होमगार्ड सैनिकों को प्रथम नामांकित जिले में पदस्थापना के लिए यह विशेष छूट दी गई है। उन्होंने बताया कि भर्ती के समय संबंधित जिलों में पद रिक्त नहीं होने के कारण कई सैनिकों को अन्य जिलों में पदस्थ किया गया था। इसके चलते बड़ी संख्या में होमगार्ड सैनिक लंबे समय से अपने गृह जिले और परिवार से दूर रहकर सेवाएं दे रहे हैं। अब राज्य शासन ने होमगार्ड जिला इकाइयों में वर्तमान पद रिक्तियों को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश होमगार्ड नियम, 2016 के प्रावधानों में एक बार के लिए विशेष छूट देने का निर्णय लिया है। इससे पात्र सैनिकों को अपने प्रथम नामांकित जिले में पदस्थापना प्राप्त करने का अवसर मिल सकेगा।



भोपाल में जर्जर सड़कों की मरम्मत और पुनर्निर्माण जारी, क्षेत्रों को मिलेगी राहत

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

नगर निगम द्वारा शहर में क्षतिग्रस्त और जर्जर सड़कों की मरम्मत, संधारण और पुनर्निर्माण का कार्य लगातार कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य नागरिकों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना है। निगम के यांत्रिक विभाग ने विभिन्न वार्डों में सड़कों की स्थिति का आकलन कर गड्ढे भरने, समतलीकरण, पैचवर्क और डामरीकरण के कार्य शुरू किए हैं। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर जोन क्रमांक-3 के वार्ड-12 में नारियलखेड़ा से पीपल चौराहा तक मुख्य मार्ग का डामरीकरण कराया गया है। वहीं शहर के व्यस्त बाजार क्षेत्रों आजाद मार्केट, इतवारा और बुधवारा में पैचवर्क का कार्य जारी है।

इन क्षेत्रों में अब तक करीब दो किलोमीटर सड़क का पैचवर्क किया जा चुका है। इसी तरह जोन क्रमांक-12 के वार्ड-58 में पाइपलाइन बिछाने के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का पूरी चौड़ाई में रेस्टोरेशन और पुनर्निर्माण कराया गया है। इससे सड़क की सतह समतल और व्यवस्थित हुई है। जोन क्रमांक-13 के वार्ड-53 स्थित दानिश नगर मेन रोड के गड्ढे भरने के साथ रिन्यूवल कोट का कार्य भी प्रगति पर है।

भगवान धन्वंतरि जयंती पर महाविद्यालय में भव्य आयोजन प्राचार्य ने 'सुश्रुत व्याख्यानमाला' प्रारंभ करने पर दिया जोर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान, भोपाल में भगवान धन्वंतरि जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 'प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला सहित वरिष्ठ प्राध्यापकगण, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ एवं चिकित्सालय के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भगवान धन्वंतरि का पूजन-अर्चन कर आयुर्वेद की समृद्ध परंपरा, चिकित्सा ज्ञान एवं लोककल्याण की भावना का स्मरण किया गया। अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला ने भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद का आद्य प्रवर्तक एवं आद्य शल्य चिकित्सक बताते हुए भारतीय शल्य चिकित्सा परंपरा में उनके महत्त्व को रेखांकित किया। उन्होंने महाविद्यालय में शल्य चिकित्सा के जनक आचार्य सुश्रुत के योगदान एवं शल्य चिकित्सा के सिद्धांतों को विद्यार्थियों तक प्रभावी रूप से पहुँचाने के उद्देश्य से 'सुश्रुत व्याख्यानमाला' प्रारंभ करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अकादमिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में शास्त्रीय ज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के साथ-साथ आयुर्वेद की गौरवशाली चिकित्सा परंपरा को आगे बढ़ाने में सहायक होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्राध्यापकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं चिकित्सालय कर्मियों ने भगवान धन्वंतरि के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया।



संभाग में ड्रग्स के विरूद्ध कार्रवाई के अंतर्गत 426 किलो से अधिक गांजा जब्त

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



भोपाल संभाग में ड्रग्स के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत गत दिनों संभाग के विभिन्न जिलों में 426.80 किलो गांजा पकड़ा गया। इसके अंतर्गत भोपाल (देहात) में 10.273 कि.ग्रा. , सीहोर जिले में 42.411 कि.ग्रा., राजगढ़ जिले में 241.106 कि.ग्रा, विदिशा जिले में 117.718 कि.ग्रा. और रायसेन जिले में 15.295 कि.ग्रा. गांजा जब्त किया गया। इसके अलावा विदिशा जिले में 22 गांजा के पौधे भी जब्त किए गए। संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने बताया कि संभाग में ड्रग्स के विरूद्ध सभी संबंधित विभागों के समन्वय से सतत अभियान चलाया जा रहा है तथा दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। संभाग में एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत गत दिनों कुल 134 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 249 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई।

जनता और पुलिस के बीच विश्वास की मजबूत कड़ी बनेगा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**



जनता और पुलिस के बीच आपसी विश्वास बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को ग्राम नजीराबाद में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेशभर में प्रत्येक शुक्रवार को अलग-अलग क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे इस अभियान के क्रम में भोपाल देहात पुलिस की टीम नजीराबाद पहुंची और ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। अभियान का मुख्य उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच की दूरी कम करना तथा जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना है। सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों और स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर लोगों से चर्चा की जा रही है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि वे बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं पुलिस के समक्ष रखें ताकि उनका उचित निराकरण किया जा सके और क्षेत्र में सुरक्षित वातावरण का निर्माण हो। नजीराबाद क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था को लेकर एसपी ने रखी बात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक भोपाल देहात पंकज कुमार पाण्डे ने कहा कि नजीराबाद थाना क्षेत्र काफी विस्तृत है। भोपाल देहात नया जिला बना है और यहां अपेक्षा के अनुरूप पुलिस बल की उपलब्धता कम है लेकिन इससे पुलिस व्यवस्था प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर अन्य थानों से पुलिस बल भेजकर व्यवस्थाएं संभाली जाती हैं ताकि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके और आमजन को सुरक्षा का भरोसा मिले। बरखेड़ी मेले की सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था पर भी चर्चा बरखेड़ी में आयोजित होने वाले बड़े मेले की तैयारियों को लेकर एसपी ने बताया कि एसडीएम एवं एसडीओपी स्तर पर बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और आमजन की सुरक्षा के साथ यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों एवं मेला आयोजकों के साथ समन्वय स्थापित कर पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। दीपक गुर्जर नजीराबाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आईएएस हत्याकांड में पुलिस ने मर्डर वेपन किया बरामद

भोपाल। रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल के सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी केयरटेकर वरुण वाल्मीकि को हमीदिया अस्पताल से डिस्चार्ज कराने के बाद घटनास्थल पर ले जाकर पूरी वारदात का सीन रिक्रिएट कराया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल ब्लेड भी बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बेडरूम में हत्या के तरीके, पत्नी के कमरे को लॉक करने, मोबाइल और जेवर चोरी करने से लेकर फरार होने तक की गतिविधियां दोहराई। पुलिस ने 1200 अमेरिकी डॉलर की चोरी और उन्हें ग्वालियर में एक्सचेंज कराने के संबंध में भी पूछताछ की। पुलिस अब हत्याकांड से जुड़ी कर कड़ी को जोड़ने के साथ ही साक्ष्य जुटा रही है, जिसके आधार पर कोर्ट में उसे कड़ी सजा दिलाई जा सके। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि राकेश अग्रवाल छोटी-छोटी बातों पर उसे गालियां देते थे। हत्या वाली रात दवाई देने में देरी होने पर भी उन्होंने फटकार लगाई थी। रात करीब 12 बजे उसे यहां से चले जाने तक को कह दिया था। इससे नाराज होकर उसने करीब दो घंटे बाद सोते समय राकेश अग्रवाल का गला रेत दिया।

पर्यावरण संस्कृति ट्रस्ट के अभियान से प्रेरित होकर लिया पटाखे नहीं जलाने का संकल्प

करुणा, जीव-दया और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाएंगे सुरक्षित एवं प्रदूषणमुक्त दीपावली

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-दया के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के माध्यम से विभिन्न जैन पाठशालाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों तथा पशु-पक्षियों को होने वाली पीड़ा के बारे में जानकारी दी गई। इस क्रम में आचार्य श्री विद्यासागर पाठशाला, झिरनो मंदिर भोपाल में शिक्षिकाओं एवं संचालिकाओं बहन मृदुला जैन, अंशुल जैन, नमिता जैन, प्रियंका जैन, शुभी जैन एवं मोना जैन ने विद्यार्थियों को दीपावली का पर्व अहिंसा, करुणा और पर्यावरण संरक्षण के भाव के साथ मनाने का संदेश दिया। इसी प्रकार श्री विद्यासागर बाल संस्कार केंद्र पाठशाला, शंकराचार्य नगर भोपाल में शिक्षिकाओं एवं संचालिकाओं श्रीमती प्रियंका जैन, श्रीमती मोनिका जैन एवं श्रीमती सोनिका जैन ने बच्चों को पटाखों के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। वहीं विद्या प्रमाणिक पाठशाला में शिक्षिकाओं एवं संचालिकाओं बहन सुनीता जैन, प्रियंका जैन एवं प्रीति जैन ने विद्यार्थियों को पर्यावरण और जीव-जंतुओं की रक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझाई। पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा, त्याग और अहिंसा के मूल्यों को जीवन में अपनाने का अवसर भी है।

गोवर्धन पूजा : गौ-सेवा, प्रकृति संरक्षण और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का संकल्प

गौ-संवर्धन और प्राकृतिक खेती के नए मॉडल बन रहे विकास के आधारः शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

गोवर्धन पूजा हमारी सनातन संस्कृति का ऐसा पावन पर्व है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, गौ-माता के प्रति श्रद्धा और समस्त जीव-जगत के संरक्षण का संदेश देता है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला हमें सिखाती है कि प्रकृति, पर्वत, जल, वनस्पति और गौवंश का संरक्षण मानव जीवन के अस्तित्व और समृद्धि के लिए अनिवार्य है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व और समाज के सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। भारत की संस्कृति में गौ-माता को विशेष स्थान प्राप्त है। हमारी कृषि व्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पोषण, पर्यावरण और सामाजिक जीवन में गौवंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश अपनी इसी समृद्ध परंपरा को आधुनिक विकास की अवधारणा के साथ जोड़कर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी का विजन है कि गांव आत्मनिर्भर बनें, किसान समृद्ध हों, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो और अपशिष्ट भी आर्थिक संपदा में परिवर्तित हो। गौ-संवर्धन, प्राकृतिक खेती, जैविक खाद और गोबर से स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन इसी व्यापक दृष्टिकोण के महत्वपूर्ण आयाम हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ की गई प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की पहल और गोबर-धन जैसी योजनाएं इस सोच को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान कर रही हैं।



गोबर-धन के माध्यम से गोबर एवं अन्य जैविक अपशिष्ट से बायोगैस और कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे स्वच्छ ऊर्जा के साथ जैविक खाद का उत्पादन, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और किसानों के लिए आय के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। अगस्त 2026 में केंद्र सरकार द्वारा 23,731 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली राष्ट्रीय सर्कुलर बायोएनर्जी योजना को स्वीकृति दिया जाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रधानमंत्री जी के वेस्ट-टू-वेल्थ और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और गति प्रदान करेगा। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार गौ-संरक्षण एवं संवर्धन को जनभागीदारी और आर्थिक स्वावलंबन से जोड़कर आगे बढ़ा रही है। प्रदेश में वर्ष 2024-25 को गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया गया। गौशालाओं को मिलने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौवंश प्रतिदिन की गई है। गौवंश के भरण-पोषण के लिए बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। पंजीकृत एवं संचालित गौशालाओं को डीबीटी के माध्यम से सीधे अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे गौवंश के लिए चारा, आहार, देखभाल और आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सके। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गौशालाएं केवल निराश्रित गौवंश को आश्रय देने तक सीमित न रहें, बल्कि वे आत्मनिर्भरता और ग्रामीण रोजगार के केंद्र भी बनें। गोबर से जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, गो-काष्ठ, उपले तथा अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार करने से गौशालाओं की आय बढ़ सकती है। गोबर और गोमूत्र आधारित प्राकृतिक खेती से खेती की लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के अवसर उपलब्ध होते हैं। इस प्रकार गौ-संवर्धन किसान, पशुपालक, महिला स्व-सहायता समूह और ग्रामीण उद्यमियों के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन सकता है।

स्वामी **एक सत प्रयास जनकल्याण समिति** के लिए मुद्रक प्रकाशक एवं **सम्पादक अमित शर्मा** द्वारा 401, जीवन छाया अपार्टमेंट, राइट टाउन, जबलपुर (मप्र) पिनः 482004 से प्रकाशित एवं पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई, जबलपुर, मध्य प्रदेश 482002 से मुद्रित। पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI-MPHIN/2019/78787, स्थानीय संपादकः विक्रम सिंह। E-mail:eksatbulletin@gmail.com, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें– ए–1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोनः 0755–4515227, मोबाइलः 9893311784